दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 21 ■ दमण, बुधवार 08 अक्टूबर 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

पीएम मोदी के आशीर्वाद से और प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में

दमण शहर में हुए विकास कार्यों को प्रस्तुत करती डेवलपमेंट बुक का हुआ विमोचन

■ दमण भाजपा कार्यालय पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं सुनील पाटिल, डीएमसी प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया एवं दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने विकास पुस्तिका का किया विमोचन ■ इस डेवलपमेंट बुक में दमण नगरपालिका क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को दर्शाया गया है: विकास पुस्तिका को देखकर लोग हुए अभिभूत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 7 अक्टूबर। पिछले कुछ वर्षों में दमण नगरपालिका क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को दर्शाते हुए प्रदेश भाजपा द्वारा विकास पुस्तिका तैयार की गई है। इस विकास पुस्तिका का आज प्रदेश भाजपा के दमण स्थित कार्यालय पर विमोचन किया गया। इस अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश भाजपा महामंत्री जिज्ञेश पटेल और डीएमसी प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया के हाथों डेवलपमेंट बुक का विमोचन किया गया। पीएम मोदी के आशीर्वाद से और संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में नगरपालिका द्वारा डीएमसी क्षेत्र में किये गये विकास कार्यों को इस डेवलपमेंट बुक में दर्शाया गया है। भाजपा द्वारा तैयार की गई डेवलपमेंट बुक को देखकर सभी लोग अभिभूत हो उठे। विकास पुस्तिका के विमोचन अवसर पर प्रदेश भाजपा के महामंत्री सुनील पाटिल, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, दमण नगरपालिका की उपाध्यक्षा रश्मि हलपति, काउंसिलर आशीष टंडेल, जसविंदर कौर, दमण शहर भाजपा के अध्यक्ष पीयूष पटेल सहित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

पीएम मोदी के महिला आत्मनिर्भर अभियान को आगे बढाते हुए सोमनाथ पंचायत सरपंच चैताली कामली ने 10 महिलाओं को बांटे सिलाई मशीन

■ पिछले 5 सालों में सरपंच चैताली कामली और उनकी टीम ने महिलाओं को आगे बढाने के लिए गृह उद्योग के लिए प्रशिक्षण सहित के कामों के बखूबी किया है

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 7 अक्टूबर। पीएम मोदी के महिला आत्मनिर्भर अभियान के आह्वान पर संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कदम उठाये गये हैं। इसी क्रम में सोमनाथ ग्राम पंचायत की सरपंच चैताली कामली ने आज 10 महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित करके उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सरपंच चैताली कामली ने कहा कि पीएम मोदी के महिला आत्मनिर्भर अभियान को प्रदेश का प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में संघ प्रदेश थ्रीडी में आगे बढाया जा रहा है। इसके तहत महिलाओं को विभिन्न तरह के प्रशिक्षण, सिलाई मशीन एवं अन्य किट वितरित किये जा रहे हैं। ताकि महिलाएं स्व रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सके। इसी के तहत आज हमने अपने पंचायत क्षेत्र की 10 जरुरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी हमने महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित किया था। हमारा यह अभियान भविष्य में आगे भी जारी रहेगा। सिलाई मशीन पाकर महिलाएं काफी खुश हुई और पीएम मोदी, प्रशासक प्रफुल पटेल तथा सोमनाथ ग्राम पंचायत सरपंच चैताली कामली के प्रति आभार जताया।

लायंस क्लब ऑफ दमण नाइस ने दिव्य ज्योति स्कूल में नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 7 अक्टूबर। दमण के दिव्य ज्योति स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए आज एक निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर लायंस क्लब ऑफ दमण नाइस द्वारा श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों और शिक्षकों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दृष्टि संबंधी समस्याओं का शीघ्र पता लगाना सुनिश्चित करना था। श्रीमद् राजचंद्र चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञ नेत्र रोग विशेषज्ञों और चिकित्सा कर्मचारियों की एक समर्पित टीम ने अत्यंत सावधानी और सटीकता के साथ विस्तृत नेत्र परीक्षण किए। कार्यक्रम में प्रबंध न्यासी सत्यप्रकाश महापात्रा, प्रधानाचार्या रूपा सोगाली, लायंस क्लब ऑफ दमण नाइस के अध्यक्ष शैलेष मेहता, लायन एस.के. शुक्ला, लायन मोहित खंडेलवाल और राजेंद्र सिंह निर्वाण उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति और प्रोत्साहन ने कार्यक्रम को और भी समृद्ध बना दिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया और निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। स्कूल प्रबंधन ने समुदाय के प्रति समर्पित सेवा के लिए लायंस क्लब ऑफ दमण नाइस और श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस तरह की पहल एक स्वस्थ, देखभालपूर्ण और सामाजिक रूप से जिम्मेदार शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दीव की होटलों में मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 7 अक्टूबर। दीव के होटल गेट-वे तथा होटल फोर्ट में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके तहत आपदा प्रबंधन सेल दीव, अग्निशमन विभाग दीव और स्वास्थ्य विभाग घोघला की संयुक्त पहल से इन दोनों होटलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान होटल स्टाफ को किसी भी प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना की स्थिति में क्या कदम उठाने हैं और क्या नहीं करने हैं, इसकी पूरी जानकारी दी गई। इस मॉक ड्रिल के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से होटल स्टाफ को प्राथमिक उपचार और खासकर सीपीआर की जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रताप सोनेन, डॉ. मोहिन काश्माणी, अग्निशमन अधिकारी पंकज माह्यावंशी, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आपदा प्रबंधन सेल के आपदा परियोजना अधिकारी माधव हाथी पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे।

केबीएस एंड नटराज कॉलेज बैडमिंटन में बना उपविजेता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 7 अक्टूबर। वापी के चणोद कॉलोनी स्थित केशवजी भारमल सुमारिया कॉमर्स और नटराज प्रोफेशनल साइंसीस कॉलेज में खेल के क्षेत्र में विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कॉलेज के बैडमिंटन खिलाड़ियों ने वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय (वीएनएसजीयू), सूरत के तहत आयोजित अंतर-कॉलेज बैडमिंटन टूर्नामेंट में उपविजेता बनकर शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम नर्मदा कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, भरूच द्वारा आयोजित किया गया था। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेजोड़ प्रतिभा और रणनीतिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। विजेता टीम के सदस्यों में आदित्य यादव (टीवाई बीकॉम), विनायक दुबे (एसवाई बीसीए), प्रशांत तिवारी (एसवाई बीसीए), सचिन सुनारी (एफवाई बीकॉम) एवं पारस मारु (एफवाई बीबीए.) ने अपने प्रभावशाली प्रदर्शन और प्रतिभा से कॉलेज को गौरव और सम्मान दिलाया। खेल प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन सहायक खेल प्राध्यापक डॉ. मयूर पटेल एवं रोहित सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस प्रकार, महाविद्यालय का नाम पूरे विश्वविद्यालय में गौरवान्वित करने के लिए प्रबंधन एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पूनम बी. चौहान ने विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी उनकी सफलता की कामना की।

दिल्ली से वाराणसी जा रहे विमान को खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण उतरने की अनुमति नहीं मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो की दिल्ली से वाराणसी की उड़ान 6ई 2211 को खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं मिली। विमान वाराणसी हवाई क्षेत्र में आधे घंटे तक हवा में चक्कर काटता रहा। ईंधन की कमी और मौसम में सुधार न होने के कारण, विमान को नजदीकी एयरपोर्ट लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। यात्री लखनऊ में लगभग दो घंटे तक विमान में ही बैठे रहे। मौसम सामान्य होने के बाद, विमान वापस वाराणसी एयरपोर्ट पर लौटा और सुरक्षित लैंडिंग की। उड़ान में देरी और डायवर्जन का मुख्य कारण सुबह 5 बजे उड़ान के समय वाराणसी में खराब मौसम और बहुत कम दृश्यता था। इंडिगो एयरलाइंस ने यात्रियों को सूचित किया कि उनकी सुरक्षा सर्वोपरि है, और मौसम में सुधार होने पर ही उड़ान जारी रखी गई। यात्रियों में चिंता का माहौल था, लेकिन उन्होंने एयरलाइन के कदमों को समझा और आभार व्यक्त किया। कुछ ने ऐसी घटनाओं के लिए बेहतर तैयारी की आवश्यकता पर जोर दिया। कोहरे का मौसम शुरू होने के कारण, यात्रियों को अगले कुछ महीनों तक सुबह की उड़ानों में इसी तरह के विलंब या डायवर्जन का सामना करना पड़ सकता है। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए एयरलाइंस को अपने परिचालन में और अधिक लचीलापन लाना चाहिए, ताकि यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल सके और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बेकाबू कार रेलवे फाटक से टकराई, चेन बांधकर ट्रेन रोकी गई

ऋषिकेश (एजेंसी)। भट्टोवाला क्षेत्र में एक बेकाबू कार ने रेलवे फाटक से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में किसी राहगीर को चोट नहीं आई और कार चालक भी सुरक्षित बच गया। फाटक क्षतिग्रस्त होने के कारण रेल कर्मचारियों ने मौके पर चेन बांधकर ट्रेन को रोका और बाद में सुरक्षित रूप से रेलवे मार्ग को खाली कराया। घटना उस समय हुई जब प्रयागराज एक्सप्रेस हरिद्वार से ऋषिकेश आ रही थी। ट्रेन को निकालने के लिए भट्टोवाला फाटक बंद किया जा रहा था, तभी कार फाटक से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार बेकाबू गति से आई और फाटक में जोरदार टक्कर मारी। रेलवे कर्मचारियों और आरपीएफ कर्मियों ने तुरंत फाटक पर चेन लगाकर ट्रेन को रोका और फिर सुरक्षित निकाला। इससे कोई बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने कार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया, लेकिन तब तक चालक कार लेकर फरार हो चुका था।

जाजपुर में खौफनाक हादसा : कपड़े धो रही महिला को मगरमच्छ ने पानी में खींचा, देखते रह गए लोग

जाजपुर (एजेंसी)। ओडिशा के जाजपुर जिले में विगत शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब खरस्रोता नदी के किनारे कपड़े धो रही एक महिला को मगरमच्छ ने अचानक हमला कर पानी में खींच लिया। यह हादसा बारी प्रखंड के बोडू पंचायत अंतर्गत कांटिया गांव के पास हुआ। प्राप्त जानकारी अनुसार, पीड़िता की पहचान 55 वर्षीय सौदामिनी महाला, पत्नी सुकदेव महाला, निवासी कांटिया गांव के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सौदामिनी नदी के उथले हिस्से में कपड़े धो रही थीं, तभी पानी से अचानक निकले मगरमच्छ ने उन पर झपट्टा मारा और उन्हें जबड़े में दबोच लिया। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया लेकिन कोई भी पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो भी बना लिया, जिसमें मगरमच्छ महिला को पानी में घसीटता हुआ दिखाई दे रहा है। घटना के बाद स्थानीय वन विभाग की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन महिला का पता नहीं चल सका। अधिकारियों का कहना है कि इलाके में पिछले कुछ समय से मगरमच्छों की संख्या बढ़ी है और खरस्रोता नदी में कई बार उन्हें देखा जा चुका है।

खून से लथपथ गिड़गिड़ाती रही मां... कलयुगी बेटा पेचकस से गर्दन पर करता रहा वार

-ऑनलाइन गेम में 50 लाख रुपये हारा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ के बाबू खेड़ा गांव में ऑनलाइन गेम के आदी एक बेटे निखिल ने अपनी मां रेनू (45) की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि निखिल पिछले लगभग एक साल से ऑनलाइन गेम खेल रहा था और 50 लाख रुपये के करीब हार चुका था। इतना ही नहीं आरोनी निखिल ने कई ऑनलाइन एप से उच्च ब्याज दर पर कुछ लोन भी लिया था। आनलाइन गेम और सट्टे में रुपये हार जाने के कारण वह लोन नहीं चुका पा रहा था, और लोन देने वाले जालसाज ब्लैकमेल कर डेटा के दुरुपयोग का दबाव बना रहे थे। रुपयों की सख्त जरूरत के कारण, निखिल ने 3 अक्टूबर की शाम को घर से जेवर चोरी करने की कोशिश की। लेकिन जेवर चोरी करते समय उसकी मां रेनू कमरे में आ गईं और उन्होंने निखिल को जेवर चोरी करते हुए देख लिया। मां के हाथों पकड़े जाने पर, निखिल ने अलमारी में रखा पेचकस उठाया और गिड़गिड़ाती हुई मां की गर्दन पर ताबड़तोड़ वार किए। जब मां खून से लथपथ होकर गिर पड़ीं, इसके बाद भी आरोपी कलयुगी बेटा नहीं माना और आरोपी ने सिलेंडर उनके सिर पर दे मारा। हत्या करने के बाद, वह जेवर बैग में रखकर पिता की बाइक से भाग निकला। भागते समय निखिल ने अपने मामा और दोस्त को फोन करके झूठ बोला कि असलहों से लैस बदमाशों ने मां पर हमला कर जेवर लेकर भाग गए। लेकिन पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में निखिल को घर के पास पिट्ठू बैग लादे और बाइक से आराम से जाते हुए देखा गया, जबकि घर के पास कोई संदिग्ध बदमाश नहीं दिखा। इससे पुलिस को यकीन हो गया कि मां की हत्या बेटे निखिल ने की है। इसके बाद पीजीआई थाने की पुलिस और क्राइम टीम ने आरोपी निखिल को सलतानपुर बहेरा अल्लीपुर औरम्हा गांव से गिरफ्तार किया। पूछताछ में निखिल ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, चुनाव आयोग ने मामले को और उलझा दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बिहार के एसआईआर मामले की सुनवाई शुरू हुई। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच केस की सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ता एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि फाइनल मतदाता सूची आने के बाद उन्हें मामले की गंभीरता का पता चला है। प्रशांत भूषण ने कहा कि एसआईआर के लिए 2003 और 2016 में कोर्ट द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश मौजूद हैं, जिसमें फर्जी मतदाताओं को हटाने के नियम स्पष्ट थे। लेकिन चुनाव आयोग ने समस्याओं को सुलझाने के बजाय और जटिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर में पारदर्शिता का बिल्कुल अभाव है। 65 लाख से अधिक मतदाताओं को हटाने की जानकारी कोर्ट के आदेश के बाद ही उपलब्ध हुई है। वहीं, वरिष्ठ

वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि जिन 3.66 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनमें से किसी को भी इस बारे में नोटिस तक नहीं मिला। न किसी को हटाए जाने का कोई कारण बताया गया और न ही उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया गया। उन्होंने कहा कि भले ही अपील का प्रावधान हो, लेकिन जानकारी ही नहीं होने की वजह से अपील करना संभव नहीं है।

वहीं चुनाव आयोग की ओर से पेश हुए वकील राकेश द्विवेदी ने इसका खंडन करते हुए कहा कि हटाए गए सभी मतदाताओं को सूचित किया गया है। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट सूची और फाइनल सूची दोनों की प्रतियां सभी राजनीतिक दलों को दी गई हैं। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, अगर आप हमें उन 3.66 लाख मतदाताओं की सूची दें, जिन्हें हटाने के बारे में सूचना नहीं दी गई है,तब हम उन्हें सूचित करने का निर्देश दें। हर व्यक्ति को अपील का अधिकार मिलना चाहिए।

कोर्ट ने चुनाव आयोग पक्ष के वकील से पूछा कि कितनी शिकायतें या आपत्तियां उन्हें मिली हैं और इन पर क्या कार्रवाई की गई है। इसके जबाव में द्विवेदी ने जवाब दिया कि ड्राफ्ट सूची में नाम होने और फाइनल सूची से नाम कटने की कोई शिकायत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि आपत्तियों, दावों और नए वोटरों के नाम शामिल करने के लिए समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है।

जूता सीजेआई गवई पर नहीं फेंका.... बल्कि भारत के संविधान पर जूता फेंकने की कोशिश

-शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने घटना की कड़ी निंदा की

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की कड़ी निंदा की है। उन्होंने घटना को भारत के संविधान पर हमला करार दिया। शिवसेना यूबीटी गुट के नेता राउत ने दावा किया कि घटना केवल सीजेआई के बारे में नहीं थी, बल्कि यह मौजूदा राजनीतिक माहौल का प्रतिबिंब थी, जहां सत्ता में बैठे लोग संविधान का सम्मान नहीं करते और उनके चाहने वाले इस तरह के

कृत्यों का सहारा लेते हैं। राउत ने कहा, जूता सीजेआई गवई पर नहीं फेंका गया, बल्कि यह भारत के संविधान पर जूता फेंकने की कोशिश थी। बता दें कि सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश वाली घटना ने देश में बढ़ती असहिष्णुता और संस्थानों के प्रति अनादर को लेकर तीखी बहस शुरू कर दी है। कई लोगों ने जजों की सुरक्षा और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर चिंता जाहिर की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, बीएसपी प्रमुख मायावती और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल सहित कई नेताओं ने घटना की निंदा की। उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र और न्यायपालिका पर हमला बताया। बात दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य सरकारी अधिकारियों ने भी घटना की निंदा की और न्यायपालिका के सम्मान की महत्ता पर जोर दिया। वहीं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि चीफ जस्टिस गवई महाराष्ट्र के गौरव हैं। एक वकील की ओर से उन पर हमला करने का प्रयास निंदनीय है। लोकतंत्र में इसतरह की घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। विपक्षी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने इस घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। इसकी निंदा कर कहा कि सीजेआई गवई पर हमला संविधान और लोकतंत्र पर हमला करने का प्रयास है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया 'भगवद्गीता का योग विज्ञान' ग्रंथ का विमोचन

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में श्रीमद्भगवद्गीता पर परमहंस योगानंद द्वारा रचित टीका 'ईश्वर-अर्जुन संवाद' के संक्षिप्त संस्करण 'भगवद्गीता का योग विज्ञान' का विमोचन किया। इस अवसर पर योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के द्वाराहाट (अल्मोड़ा) आश्रम से आए स्वामी वासुदेवानंद और स्वामी धैर्यानंद विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वामी वासुदेवानंद ने मुख्यमंत्री को योगदा सत्संग सोसाइटी की आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि द्वाराहाट आश्रम पर्वतीय क्षेत्र में स्थित उस पवित्र गुफा के निकट है, जहां अमर गुरु महावतार बाबाजी ने काशी के महान योगी श्यामाचरण लाहिड़ी (लाहिड़ी महाशय) को क्रियायोग की दीक्षा दी थी। बताया गया कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी कुरुक्षेत्र के युद्धभूमि में अर्जुन को क्रियायोग का उपदेश दिया था। इस मौके पर योगदा देहरादून मंडली के डॉ. अनिल कौल और आशुतोष डोरा भी उपस्थित रहे।

पूर्व एबीवीपी नेता ने डिबेट में राहुल को दी गोली मारने की धमकी, कांग्रेस ने शाह को लिखा पत्र

रायपुर (एजेंसी)। केरल में पूर्व एबीवीपी नेता पिंटू महादेव द्वारा टीवी डिबेट के दौरान राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी देने के बयान से देशभर में बवाल मच गया है। इस बयान के विरोध में रायपुर के सिविल लाइन थाने में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

बता दें कि 26 सितंबर को केरल के एक न्यूज चैनल पर लद्दाख हिंसा को लेकर लाइव डिबेट चल रही थी। इस दौरान भाजपा की तरफ से बोलने आए पूर्व एबीवीपी नेता पिंटू महादेव ने कहा कि 'राहुल गांधी को सीने में गोली मार दी जाएगी। इस बयान के तुरंत बाद देशभर में कांग्रेस नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई और मामले को विधानसभा तक पहुंचा दिया। केरल कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सचिव श्रीकुमार सीसी की शिकायत पर पेरामंगलम पुलिस ने पिंटू महादेव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और उसकी तलाश जारी है। वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा कि अगर आरोपी पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो इसे सरकारी मिलीभगत माना जाएगा। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि भाजपा ने कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी हैं। उन्होंने कहा, 'जब भाजपा नेताओं के खिलाफ बयान होता है तो तुरंत एफआईआर होती है, लेकिन राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी देने पर सरकार चुप है।' हाल ही में सीआरपीएफ ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। एजेंसी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर बताया कि राहुल गांधी पिछले 9 महीनों में 6 बार बिना सूचना विदेश गए।

कांग्रेस ने रायपुर में किया हंगामा

रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता और नेताओं ने सिविल लाइन थाने का घेराव कर पिंटू महादेव की गिरफ्तारी की मांग की। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि जब भाजपा नेताओं पर टिप्पणी होती है तो तुरंत एक्शन लिया जाता है, लेकिन राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी देने वाले नेता पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि यह कानून और संविधान का उल्लंघन है।

गंदगी के बीच बनाया जा रहा था कफ सिरप, फैसिलिटी और उपकरणों की थी कमी

-तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट में खुलासा, कंपनी ने किया नियमों का उल्लंघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप से 14 से ज्यादा बच्चों की मौत ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इसी बीच श्रीसन फार्मास्यूटिकल की फैक्ट्री पर आधारित तमिलनाडु सरकार की 26 पन्नों की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी ने कप सिरप के निर्माण में नियमों का उल्लंघन किया है।

एक मीडिया संस्थान के हाथ लगी रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी में गंदगी के बीच सिरप बनाया जा रहा था। स्किल्ड मैनपावर, मशीनरी, फैसिलिटी और उपकरणों की कमी थी। क्वालिटी अस्युरेंस विभाग का अस्तित्व ही नहीं था और बैच रिलीज से पहले कोई जांच नहीं की जाती थी। रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु की श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के उत्पादन में 350 से ज्यादा गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसमें 39 क्रिटिकल और 325 मेजर खामियां पाई गई हैं। सिरप में 48.6 फीसदी डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया जो किडनी फेलियर का कारण बनता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था। फैक्ट्री में कोई एयर हैंडलिंग यूनिट नहीं थी, वेंटिलेशन खराब था और उपकरण क्षतिग्रस्त या जंग लगे हुए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्लांट का लेआउट और डिजाइन ही दूषित होने के जोखिम में योगदान दे रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने 50 किलो प्रोपलीन ग्लाइकॉल बिना चालान के खरीदा जो अवैध है। सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) के अंश भी पाए गए जो एक अत्यधिक विषैला औद्योगिक विलायक है और इसका इस्तेमाल ब्रेक फ्लूइड, पेंट और प्लास्टिक में होता है।

प्रोपलीन ग्लाइकॉल एक कम विषैला इंडस्ट्रियल सॉल्वेंट है, जिसका इस्तेमाल खाद्य, दवा और ब्यूटी प्रोडक्ट्स में होता है, लेकिन डीईजी कम मात्रा में भी इंसानों के लिए घातक है। प्रोपिलीन ग्लाइकॉल की जगह डीईजी का इस्तेमाल दुनिया भर में बड़े पैमाने पर विषाक्तता की घटनाओं का कारण है, जिसमें हाल ही में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि कंपनी ने लिक्विड फॉर्मूलेशन ट्रांसफर के लिए प्लास्टिक पाइप्स का इस्तेमाल करती थी, फिल्ट्रेशन सिस्टम नहीं था और केमिकल इफ्लुएंट्स को सीधे सामान्य नालियों में डाला जाता था।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि क्रिटिकल मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस में इस्तेमाल साफ पानी के टैंक अस्वच्छ स्थिति में पाए गए। निरीक्षण टीम ने पाया कि कच्चे माल को बिना परीक्षण या विक्रेता की अनुमति के जारी किया गया था और प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं पर नजर रखने के लिए कोई फार्माकोविजिलेंस सिस्टम मौजूद नहीं था। सैंपलिंग खुले वातावरण में की गई, जिससे दूषित होना अपरिहार्य था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कीटों या चूहों को रोकने के लिए कोई बंदोबस्त नहीं था। साथ ही फ्लाई कैचर्स यानी मक्खी पकड़ने वाले और एयर कर्टेंस गायब थे, प्रोडक्शन क्षेत्रों में फिल्टर की गई हवा का कोई प्रबंध नहीं था। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कंपनी में कुशल मैनपावर की कमी थी और एनालिटिकल टेस्ट मेथड्स या सफाई प्रक्रियाओं का वैलिडेशन कभी नहीं किया गया था।

तमिलनाडु सरकार के निष्कर्षों से अब ये

पता चलता है कि यदि निर्माता ने सबसे बुनियादी दवा सुरक्षा मानदंडों का पालन किया होता तो इस त्रासदी को रोका जा सकता था। वहीं, इस प्रकरण में मध्य प्रदेश सरकार ने तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य ड्रग कंट्रोलर को हटाया दिया है। डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया है, जिन्होंने सिरप प्रेस्क्राइब किया था। साथ ही सरकार ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। कई राज्य जैसे मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल और तमिलनाडु ने सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। केंद्र सरकार ने 6 राज्यों में 19 ड्रग यूनिट्स का जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया कर दिया है।

खड़गे ने दलित युवक की हत्या पर जताई कड़ी नाराजगी, बोले- यह संविधान और सामाजिक न्याय पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले ने अब राजनीतिक गलियारों को गरमाने का कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे सामाजिक न्याय और संविधान के खिलाफ अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल दलित समुदाय पर हमला है, बल्कि पूरे समाज की संवेदनशीलता पर सवाल खड़ा करती है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर कांग्रेस की ओर से जारी एक संयुक्त वक्तव्य साझा किया, जिसमें कहा गया है कि रायबरेली में दलित युवक की हत्या निंदनीय है और यह घटना भारत के संविधान का अपमान है, जो सभी नागरिकों को समानता और सुरक्षा का अधिकार देता है। वक्तव्य में कहा गया, यह दलित समुदाय के खिलाफ अपराध होने के साथ-साथ पूरे समाज पर कलंक है। कांग्रेस ने अपने बयान में कहा कि देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी ने हाथरस, उन्नाव, रोहित वेमुला, मध्य प्रदेश में आदिवासी युवक पर यूरिन करने

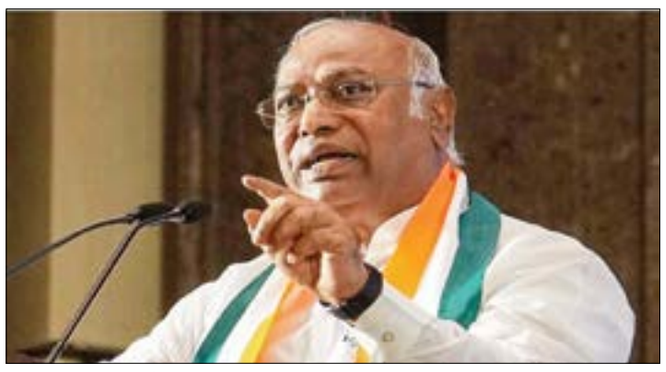

की घटना, ओडिशा और हरियाणा में भीड़ हिंसा और अखलाक की हत्या जैसे मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि ये सभी घटनाएं समाज और प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर करती हैं।

संयुक्त वक्तव्य में आगे कहा गया कि 2014 के बाद से मॉब लिंचिंग, बुलडोजर की कार्रवाई और भीड़तंत्र जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, जो किसी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य हैं। वक्तव्य कहा गया है, कि हरिओम की हत्या हमारे समाज की नैतिकता पर प्रश्नचिह्न है। कांग्रेस डॉ. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के उस भारत की बात करती है जो सामाजिक न्याय, समानता और संवेदना पर आधारित हो। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे इंसानियत और संविधान की हत्या बताया है।

वहीं दूसरी तरफ रायबरेली पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दावा किया है कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह मतलब डबल इंजन सरकार की विदाई तय

-राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने नीतीश सरकार पर कसा तंज

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने नीतीश सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने दावा किया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में डबल इंजन की सरकार की विदाई होना तय है। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद राजनीतिक और तेज हो गई है। चुनावी तैयारियों के साथ-साथ आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। एनडीए और इंडिया ब्लॉक अपनी-अपनी सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं।

इसी बीच पूर्व सीएम लालू यादव ने कहा कि बिहार से डबल इंजन सरकार की विदाई तय है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा- छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने संकेत दिया कि बिहार से एनडीए की विदाई तय है। यह पहली बार नहीं है जब लालू ने

बिहार सरकार पर निशाना साधा है। वह अक्सर सोशल मीडिया के जरिए सरकार पर कटाक्ष करते रहते हैं।

एक अन्य पोस्ट में लालू यादव ने सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार की डबल इंजन की सरकार का मतलब भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि इस भ्रष्ट व्यवस्था को बदलना है। इस बार बिहार के मुख्यमंत्री को बदलना है और सरकार भी बदलेंगे। जहां एक ओर लालू यादव सीएम नीतीश कुमार को लेकर हमलावर हैं और सरकार बदलने का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बिहार का नेतृत्व वह अपने बेटे और राजद नेता तेजस्वी यादव में देखते हैं।

बता दें उन्होंने कई मंचों से तेजस्वी को बिहार का अगला सीएम बनाने के लिए जनता से अपील भी की है। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा था- तेजस्वी के नेतृत्व में, नया बिहार बनाएंगे। बता दें बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। वहीं चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। चुनाव को लेकर आयोग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

चीन और पाकिस्तान की बढ़ेगी धड़कन, अब भारत में ही बनेगा एस-400, कुछ रूस देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच अतिरिक्त पांच सिस्टम की कीमत पर सहमति बन चुकी है। दोनों देश के बीच अब इस पर बातचीत चल रही है कि इनमें से तीन सिस्टम सीधे खरीदे जाएंगे और बाकी के दो एस-400 टेक्नॉलजी ट्रांसफर के तहत निर्मित होंगे। यह सौदा सरकार-से-सरकार के बीच होगा और रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल सुविधाएं भारतीय प्राइवेट सेक्टर की मदद से स्थापित की जाएंगी। खबरों के मुताबिक वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने रूस की पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एसयू-57 को लेने पर विचार की बात कही थी। हालांकि सरकार ने अब तक न एसयू-57 और न अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को लेकर कोई निर्णय लिया है।

बता दें कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान एस-400 ट्रायम्फ सिस्टम ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी जबरदस्त क्षमता साबित की थी। पाकिस्तान ने 7 मई के हमले के बाद आदमपुर और भुज एयरबेस पर तैनात एस-400 को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाया।

इसके बाद 10 मई तक पाकिस्तान को अपने सभी एयर एसेट्स को भारतीय सीमा से 300 किमी दूर ले जाना पड़ा और मुश्किल से ही कोई विमान उड़ान भर सका। एस-400 की लंबी दूरी की मिसाइलों ने पाकिस्तान के एक विमान को पंजाब में 314 किमी की दूरी पर मार गिराया था और उत्तर में एफ-16 व जेएफ-17 लड़ाकू विमानों को भी ढेर किया था। भारत ने रूस के साथ 2018 में ही पांच एस-400 सिस्टम के लिए 5.43 अरब डॉलर की डील की थी। इसके तहत अगले साल के अंत तक दो एस-400 की सप्लाई होनी है। इसके साथ ही अब पांच और एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने पर बातचीत चल रही है। रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी इसके लेकर इस हफ्ते रूसी अधिकारियों से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात में इस रूसी रक्षा कवच को मिलकर बनाने पर चर्चा किया जाएगा। माना जा रहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 5 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाली वार्षिक शिखर वार्ता से पहले इस सौदे को हरी झंडी मिल सकती है। उधर खबर है कि भारत रूस से 200 किमी से अधिक रेंज वाली एयर-टू-एयर मिसाइल आरवीवी-बीडी (आर-37) भी हासिल करना चाहता है, जिससे एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता बढ़ाई जा सके।

मस्क, एलिसन, ज़ुकरबर्ग, बेजोस पर हुई डॉलरों की बारिश, अडानी-अंबानी ने पाया खोया रुतबा

नई दिल्ली।

अरबपतियों की सूची में एक बार फिर भारी उथल-पुथल हुई। एलन मस्क, लैरी एलिसन, मार्क ज़ुकरबर्ग, जेफ बेजोस, लैरी पेज, सर्गी ब्रिन पर डॉलरों की बारिश हुई। वहीं अंबानी, अडानी ने अपना खोया रुतबा हासिल किया है। बीते हफ्ते शुक्रवार को एलन मस्क से लेकर जेनसेन हुआंग तक दिग्गज अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट आई, लेकिन सोमवार को हुआंग को छोड़ इन अरबपतियों पर डॉलर की बारिश हुई। ताजा सूची के मुताबिक एलन मस्क की संपत्ति सोमवार को 16.7 अरब डॉलर की हुई और अब उनका नेटवर्थ 465 अरब डॉलर हो गया है।

लैरी एलिसन ने 6.69 अरब डॉलर कमाया और उनका नेटवर्थ 351 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। मार्क ज़ुकरबर्ग 252 अरब डॉलर के नेटवर्थ पर हैं और इनकी संपत्ति में 1.77 अरब डॉलर पर पहुंच गई। जेफ बेजोस को 1.28 अरब डॉलर का फायदा हुआ। अब इनके पास 244 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। लैरी पेज 4 अरब डॉलर बनाए हैं और उनकी कुल संपत्ति अब 220 अरब डॉलर हो गई, जबकि सर्गी ब्रिन के नेटवर्थ में 3.71 डॉलर का इजाफा हुआ है। इनका नेटवर्थ अब 205 अरब डॉलर है। बर्नार्ड अर्नाल्ट को 4 अरब डॉलर का झटका लगा है। उनकी संपत्ति अब 177 अरब डॉलर रह गई है। जेनसेन हुआंग, जो दुनिया के 9वें अमीर व्यक्ति हैं, ने 4 अरब डॉलर गंवाए हैं। अब इनकी संपत्ति 1.78 अरब डॉलर है। माइकल डेल को 1.04 अरब डॉलर का फायदा हुआ है। इनकी कुल संपत्ति अब 152 अरब डॉलर है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अब ये 10वें नंबर पर हैं। वॉरिन बफे दुनिया के टॉप-10 अमीरों की सूची से बाहर हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अब बफे 11वें नंबर पर हैं। इनका नेटवर्थ 151 अरब डॉलर है। मुकेश अंबानी एक पायदान ऊपर चढ़कर फिर से 18वें स्थान पर आ गए हैं। सोमवार को उनकी संपत्ति में 883 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 88.76 पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितताओं के बीच ही रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण भी स्थानीय मुद्रा दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.72 पर थोड़ा मजबूत खुला लेकिन जल्द ही यह एक पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने ने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 97.86 पर आ गया।

भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर कर रहा है बातचीत

नई दिल्ली । भारत वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। मंत्री ने दोहा में बताया कि ओमान, यूरोपीय संघ, अमेरिका, चिली, पेरू, न्यूजीलैंड, यूरेशिया और अन्य देशों ने व्यापार समझौते की इच्छा जताई है। भारत इन समझौतों के जरिए विकसित देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करना चाहता है। न्यूयॉर्क में हाल ही में हुई बैठक के बाद भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से सहमति बनाने की कोशिश में हैं। अमेरिका ने भारतीय माल पर टैरिफ लगाए हैं, लेकिन दोनों पक्ष रचनात्मक वार्ता कर समझौता करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस समझौते का उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है। 2024-25 में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहेगा। दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 132 अरब डॉलर का है। अमेरिका भारत के कुल निर्यात का 18 फीसदी हिस्सा लेता है।

तेल निर्यातक रूस अब खुद कर रहा है तेल आयात

नई दिल्ली । रूस, जो दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में से एक माना जाता है, अब खुद को तेल निर्यात करने की स्थिति में आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, घटते उत्पादन और परिष्कृत तेल की कमी के कारण रूस को कुछ देशों से रिफाइंड ऑयल खरीदना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की सख्त पाबंदियों ने रूस की ऊर्जा आपूर्ति श्रंखला को प्रभावित किया है। घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए रूस को पड़ोसी देशों से तेल उत्पाद मंगवाने पड़ रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी असर डाल रही है, जिससे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। रूस की यह नई रणनीति बताती है कि ऊर्जा क्षेत्र में आर्थिक और राजनीतिक दबाव कैसे संतुलन बदल सकते हैं।

ईरान में भारतीय रुपया बना पावरफुल

- सस्ती ट्रैवल डेस्टिनेशन बनने का सुनहरा मौका

मुंबई । ईरान इस समय गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के लगातार प्रतिबंधों और इज़रायल के साथ तनाव के चलते देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। महंगाई दर 35 फीसदी से ऊपर बनी हुई है, जिससे ईरानी मुद्रा रियाल की वैल्यू ऐतिहासिक रूप से गिर चुकी है। इसी गिरावट का सीधा फायदा भारतीय पर्यटकों को मिल रहा है। इस समय 1 भारतीय रुपया लगभग 473.20 ईरानी रियाल के बराबर है। यानी कोई भी भारतीय अगर 1000 रुपए लेकर ईरान जाता है तो उसे करीब 4.73 लाख रियाल मिलते हैं। इससे ईरान भारतीयों के लिए एक बेहद किफायती और बजट-फ्रेंडली टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की संसद ने मुद्रा से 4 शून्य हटाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब 10,000 पुराने रियाल बराबर 1 नया रियाल होंगे। इससे रोजमर्रा के लेन-देन में सहूलियत होगी और ट्रांजैक्शन आसान बनेंगे। इस फैसले के पीछे आर्थिक स्थिरता लाने की कोशिश है, लेकिन इससे भारतीय पर्यटकों के लिए वहां घूमना और शॉपिंग करना और भी किफायती हो गया है। हालांकि, ईरान की राजनीतिक स्थिति को देखते हुए यात्रा से पहले ट्रैवल एडवाइजरी जांचना जरूरी है। लेकिन कम बजट में विदेश घूमने की योजना बना रहे भारतीयों के लिए ईरान एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रहा है।

इस साल वैश्विक मुद्रा बाजार में डॉलर फिसला, यूरो-पेसो चमके, रुपया कमजोर

- डॉलर में 9.5 फीसदी गिरावट, यूरो और पेसो में मजबूती, रुपया फिसला

मुंबई । इस साल वैश्विक मुद्रा बाजारों ने अप्रत्याशित रुख अपनाया। जहां अमेरिकी डॉलर ने साल की शुरुआत मजबूत स्थिति से की थी, वहीं वर्ष के अंत तक यह करीब 9.5 फीसदी गिर गया। इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिका में संभावित ब्याज दर कटौती की उम्मीदें और विकास दर में सुस्ती रही, जिसने डॉलर की मांग पर सीधा असर डाला। इसके विपरीत, यूरो और मैक्सिकन पेसो ने जबरदस्त मजबूती दिखाई। यूरो में डॉलर के मुकाबले लगभग 13 फीसदी की वृद्धि हुई। यूरोपीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता और अपेक्षाकृत मजबूत नीतियों ने इसे सहारा दिया। यूरो की मजबूती के चलते अमेरिकी पर्यटकों के लिए यूरोप की यात्रा महंगी हो गई, जबकि यूरोपीय लोगों के लिए अमेरिकी वस्तुएं सस्ती हो गईं। मैक्सिकन पेसो में करीब 12 फीसदी की बढ़त देखी गई, जो उच्च स्थानीय ब्याज दरों और उत्तरी अमेरिका से स्थिर निवेश प्रवाह के कारण संभव हो सकी। हालांकि वैश्विक परिदृश्य में अधिकतर मुद्राएं डॉलर के मुकाबले मजबूत हुईं, भारतीय रुपया ने विपरीत दिशा ली। साल 2025 में रुपया लगभग 3-4 फीसदी कमजोर हुआ। यह गिरावट स्थानीय आर्थिक नीतियों की अस्पष्टता और वैश्विक पूंजी के बाहर जाने की प्रवृत्ति का संकेत देती है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 136, निफ्टी 30 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामुली तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर बीएसई सेंसेक्स 136.63 अंक बढ़कर 81,926.75 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30.65 अंक ऊपर आकर 25,108.30 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 274.30 अंक बढ़कर 58,289.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 55.35 अंक उछलकर 17,983.40 पर पहुंच गया। रियल्टी शेयरों से बाजार उछला। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.09 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ऑटो 0.28 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.24 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.24 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.28 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.37 फीसदी उपर आकर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.41 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.53 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.28 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.48 फीसदी टूटकर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, और मारुति सुजुकी सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, एसबीआई, एचयूएल, कोटक महिंद्रा, बीईएल, टाइटन और टीसीएस के शेयर सबसे अधिक गिरे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 93 अंक की बढ़त लेकर 81,883.95 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 37.90 अंक की बढ़त के साथ 25,115.55 पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा, जिसे वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में तेजी ने समर्थन दिया निक्केई 0.81 फीसदी ऊपर था, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.67 फीसदी नीत नीचे रहा। वहीं, चीन के मेनलैंड इंडेक्स सीएसआई 300 में 0.45 फीसदी की बढ़त देखी गई और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.7 फीसदी ऊपर रहा। वहीं वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.36 फीसदी चढ़कर और नैस्डैक 0.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स 0.14 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

आपका चेहरा और फिंगरप्रिंट देगा यूपीआई में पेमेंट की अनुमति.....भूल जाओ पिन डालना

मुंबई ।

देश में डिजिटल पेमेंट्स को आसान और सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से लेन-देन करने वाले यूजर्स को भुगतान के लिए पिन डालने की जरूरत नहीं होगी। इसके बजाय वे चेहरे की पहचान या फिंगरप्रिंट के द्वारा अपने ट्रांजैक्शन को पूरा कर सकते है। यह नई सुविधा 8 अक्टूबर से लागू होगी।

क्या है डिटेल

एनपीसीआई (जो यूपीआई का संचालन करती है) फीचर को ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल, मुंबई में प्रदर्शित करने जा रही है। इससे डिजिटल पेमेंट्स और तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, इस नई सुविधा में पेमेंट की ऑथेंटिकेशन (वेरिफिकेशन) भारत सरकार की आधार प्रणाली में दर्ज बायोमैट्रिक डेटा से होगी। यानी, यूजर्स का चेहरा या फिंगरप्रिंट उनके आधार डेटा से मैच किया जाएगा, जिससे पेमेंट की अनुमति मिलेगी।

बता दें कि यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया दिशानिर्देशों के अनुरूप है, जिसमें डिजिटल ट्रांजैक्शनों के लिए वैकल्पिक ऑथेंटिकेशन तरीकों की अनुमति दी गई थी। इससे डिजिटल पेमेंट्स में सुरक्षा और उपयोगकर्ता अनुभव दोनों को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

वर्तमान में, हर यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए यूजर्स को 4 या 6 अंकों का पिन दर्ज करना होता है। नई सुविधा लागू होने के बाद, फेस स्कैन या फिंगरप्रिंट सेंसर के जरिए पेमेंट तुरंत ऑथेंटिकेट हो जाएगा। इससे ट्रांजैक्शन समय घटेगा, सुरक्षा बढ़ेगी, और यूजर अनुभव और सहज होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन से धोखाधड़ी की संभावना कम होगी, क्योंकि चेहरा या फिंगरप्रिंट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कॉपी करना मुश्किल है।

वोडाफोन आइडिया को एजीआर मामले में राहत की उम्मीद

- सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 13 अक्टूबर तक टाली

नई दिल्ली । वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) को एजीआर (समायोजित सकल राजस्व) विवाद में आंशिक राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी की याचिका पर सुनवाई 13 अक्टूबर तक के लिए टाल दी है। याचिका में कंपनी ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा वित्त वर्ष 2016-17 के लिए की गई 5,606 करोड़ की अतिरिक्त मांग को चुनौती दी है। वोडाफोन आइडिया की ओर से एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने दिवाली से पहले सुनवाई का अनुरोध किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार किया। सरकार ने बताया कि वह कंपनी में लगभग 50 फीसदी हिस्सेदार है, इसलिए समाधान की दिशा में प्रयास जरूरी हैं। इससे पहले भी 26 सितंबर को सुनवाई टाली गई थी।

दक्षिण अफ्रीका में जी20 ऊर्जा परिवर्तन मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल 7 से 10 अक्टूबर 2025 तक दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु नटाल प्रांत में आयोजित होने वाली जी20 ऊर्जा परिवर्तन मंत्रिस्तरीय बैठक (ईटीएमएम) में भाग लेंगे। बैठक के दौरान, मनोहर लाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज़ी से बढ़ती भारत की उल्लेखनीय यात्रा की जानकारी देंगे। दक्षिण अफ्रीकी जी20 अध्यक्षता के अंतर्गत आयोजित यह बैठक, वैश्विक ऊर्जा भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के ऊर्जा प्रमुखों को एक साथ लाएगी। विद्युत मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि मनोहर लाल ''ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ भोजन, सस्ती और विश्वसनीय पहुंच'' और ''सतत औद्योगिक विकास'' पर आयोजित होने वाले सत्रों में भाग लेंगे। इन चर्चाओं का उद्देश्य सस्ती, विश्वसनीय और दीर्घकालिक ऊर्जा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मज़बूत करना है, जो आर्थिक विकास और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दरअसल, भारत ने हाल ही में अपनी कुल बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और यह वैश्विक अपेक्षाओं से कहीं अधिक है। यह उपलब्धि एक स्वच्छ, हरित और अधिक अनुकूल ऊर्जा भविष्य के निर्माण के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, साथ ही यह सुनिश्चित करती है कि विकास समावेशी और दीर्घकालिक बना रहे।

केंद्रीय विद्युत मंत्री सभी के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण और विकासशील क्षेत्रों में, ऊर्जा की पहुंच, सामर्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारत के अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को भी साझा करेंगे। वह इस बात पर बल देंगे कि ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन सबसे गंभीर वैश्विक चुनौतियों में से हैं, जिनका विकासशील देशों पर असमान रूप से प्रभाव पड़ रहा है और वह अक्सर संसाधनों और क्षमता की कमी का सामना करते हैं। इसके अलावा, मनोहर लाल ''एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'' के व्यापक दृष्टिकोण के साथ न्यायसंगत, किफायती और समावेशी ऊर्जा परिवर्तन प्राप्त करने के उद्देश्य से सहयोगात्मक वैश्विक प्रयासों के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराएंगे। मंत्रालय ने कहा की ऊर्जा परिवर्तन कार्य समूह (ईटीडब्ल्यूजी) और ऊर्जा परिवर्तन मंत्रिस्तरीय बैठक (ईटीएमएम) का आयोजन द कैपिटल होटल, जिम्बाली, डरबन में किया जाएगा तथा यह स्वच्छ, सुरक्षित और समतामूलक ऊर्जा प्रणालियों पर जी-20 एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा।

पीकेवीवाई के तहत लगभग 15 लाख हेक्टेयर में जैविक खेती की गयी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार की परंपरागत कृषि विकास योजना 2015 में राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन के तहत शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य किसानों को क्लस्टर आधारित जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन स्थापित हो और किसानों की आमदनी बढ़े। योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को कम लागत वाली रासायनिक मुक्त तकनीकों के जरिए खेती करने का अवसर मिलता है और उन्हें बाजार से जोड़कर उनकी उत्पाद की कीमत बढ़ाने में मदद मिलती है। अब तक, पीकेवीवाई के तहत लगभग 15 लाख हेक्टेयर में जैविक खेती की जा चुकी है। इस दौरान 52,289 क्लस्टर बनाए गए और 25.30 लाख किसानों को लाभ मिला है। 2024 दिसंबर तक 'जैविक खेती पोर्टल' पर 6.23 लाख किसान, 19,016 स्थानीय समूह, 89 इनपुट आपूर्तिकर्ता और 8,676 खरीदार पंजीकृत हैं। किसानों को इस योजना के तहत तीन साल के लिए प्रति हेक्टेयर 31,500 रुपए सहायता दी जाती है। यह सहायता जैविक इनपुट्स, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, प्रमाणीकरण, विपणन, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर खर्च की जाती है। पीकेवीवाईकिसानों को सीधे डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए अपने उत्पाद बेचने और बाजार में अपनी पहचान बनाने में भी मदद करता है। योजना को जमीन पर लागू करने के लिए किसान अपने क्षेत्रीय परिषदों से संपर्क करते हैं। क्षेत्रीय परिषदें आवेदन संकलित कर वार्षिक कार्य योजना बनाती हैं और इसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजती हैं।

U.T ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

दमण नगर पालिका – दमण
नीलामी सूचना

दमण जिले की सभी आम जनता को सूचित किया जाता है कि चार रास्ता, नानी दमण एवं लोक निर्माण विभाग कार्यालय मोटी दमण के निकट स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दुकानों को किराए पर देने के लिये नीलामी 07/10/2025 से 07/11/2025 तक ऑनलाइन पोर्टल यानी https://smcdnh.in/auction/_माध्यम से योज़ित की जाएगी। आवश्यक दस्तावेजों को 07/10/2025 से 07/11/2025 तक डीएमसी कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करना होगा।
Notice No. 2/9-7/(part)DMC/2025-26/1196
Notice date: 06/10/2025

For details please scan https://smcdnh.in/auction/

The Chief Officer, Daman Municipal Council, (Dr. Sanjam Singh)

No. IP/DMN/2/5/2025-26/889 Dtd :- 07/10/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना

जिला पंचायत, दमन द्वारा जानी वाकड़ गौशाला, भीमपोर में पेवर ब्लॉक उपलब्ध कराना और बिछाना।

टेण्डर ID सं :2025_DAMAN_4486_1
For details please scan — डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :13/10/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि :13/10/2025
https://ddtenders.gov.in — बोली खुलने की तिथि :13/10/2025

प्रभारी कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., जिल्ला पंचायत, मोटी दमण,

No. IP/DMN/2/5/2025-26/888 Dtd :- 07/10/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना

दमन जिले की विभिन्न श्रेणियों की सड़के जैसेकी NH, MDR, ODR की सफाई। (E-23835)

टेंडर आईडी नंबर : 2025_DAMAN_4488_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 10/10/2025
For details please scan
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 10/10/2025
https://ddtenders.gov.in
बोली खुलने की तिथि : 10/10/2025

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,

No. IP/DMN/2/5/2025-26/886 Dtd :- 07/10/2025

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM ABHAY HIRACHAND CHHEDA TO **NEW NAME CHHEDA ABHAYKUMAR HIRACHAND** & I WILL BE KNOWN AS NEW NAME WHICH PLEASE NOTE.
SD: CHHEDA ABHAYKUMAR HIRACHAND
ADD:- F NO. 1002, VENUS HEIGHTS, MANIBHADRA SOCIETY, CHALA, VAPI, PARDI, VALSAD, GUJARAT - 396191

बिहार में चुनाव का बिगुल बजते ही जोड़तोड़ में लग गई राजनैतिक पार्टियां

कांतिलाल मांडोत

बिहार में समीकरण बदल गए है। नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नीतीश की विकास की नीतियों से दूसरे दलों में मतदाताओ ने किनारा करना शुरू कर दिया। हर चुनाव में अनुमान ध्वस्त होते दिखाई दिए है। पिछली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई थी।

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही राज्य और देश मे चुनाव को लेकर अटकलें भी थम गई। बिहार में इस बार दो चरण में मतदान होने जा रहा है। यह पिछले कई वर्षों में सबसे छोटा चुनाव है। बिहार में इस बार एसआईआर सबसे बड़ा फैक्टर है। मतदान सूची से 68.5 लाख नाम हट चुके है। बिहार में राजद और कांग्रेस का मुस्लिमो के समर्थन पर ही दोनो दलों का भविष्य टिका है। कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओ की सबसे बड़ी हितचिंतक है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी भी मुस्लिमो के हितचिंतक होने का दावा करते है। बिहार में इनको भी लगने लगा है कि राजद और कांग्रेस सिर्फ दिखावटी बाते करती है। इंडिया गठबंधन के दोनो घटक दल राजद और कांग्रेस में बड़ा याराना है। दोनो दल अभी तक अपने हिस्से की सीटें निकालने पर चिंतन कर रहे है,फिर भी संशय है। मुस्लिमो का बड़ा तबका यह समझता है कि तेजस्वी और कांग्रेस के राज में राजनीतिक रसूख ज्यादा रहता है। लेकिन सत्ता में आने पर ही वोट देने का सही फायदा है। मुस्लिमो को पुलिस आदि का सरंक्षण चाहिए होता है,वह राजद और कांग्रेस से मिल जाता है। इसलिए मुस्लिम समाज का झुकाव राजद की तरफ दिखाई देता है। बिहार में कांग्रेस का जनाधार नही के बराबर है। मुसलमानों की पहली पसंद कांग्रेस दिखती है और दूसरी राजद। लेकिन कांग्रेस कई वर्षों से सत्ता से बाहर है। बिहार में समीकरण बदल गए है। नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नीतीश की विकास की नीतियों से दूसरे दलों में मतदाताओ ने किनारा करना शुरू कर दिया। हर चुनाव में अनुमान ध्वस्त होते दिखाई दिए है। पिछली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा को 74 सीटे मिली थी। 19.46 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। जदयू को 43 सीटे और 15.39 प्रतिशत वोट मिले थे। राजद को 75 सीटे मिली थी। और वोट 23.11 प्रतिशत प्राप्त हुए। उधर ,कांग्रेस की झोली में 19 सीटे प्राप्त हुई। कांग्रेस के मुस्लिम वोट में राजद की सेंधमारी से बड़ाफायदा मिला था। वामदल और अन्य के हिस्सों में 16-16 सीटे गई थी। बिहार की गणित दलित,ओबिसी और मुस्लिम वोटों पर टिकी हुई है। दावे,वादे और बदलते

समीकरण से मतदाताओ को भांपना मुश्किल होता जा रहा है। जदयू और भाजपा गठबंधन की एनडीए को बिहार से दोनो पार्टी की 12-12 सीटें मिली थी। बिहार में मुस्लिमो की 17.70 प्रतिशत आबादी का वोट शेयर दोनों पार्टियों के हिस्से में जाता है। मुस्लिमपरस्त राजनीति ने भाजपा की सम्भावनाओ को बढ़ा दिया है । बीस सालों से बिहार की राजनीति में अंगद की तरह पैर जमा चुके सुशासन बाबू नीतीशकुमार की बिहार में उज्ज्वल छवि है। लोग नीतीश कुमार की नीतियों के कायल है। उनके शब्दो पर भरोसा करते है। लालू के जंगलराज के बाद तेजस्वी ने अव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर नई रणनीति बनाकर पार्टी को 2020 में 75 सीटे दिलाई। बिहार के मतदाताओ पर घोर किया जाए तो ईबीसी की 36 प्रतिशत आबादी के हितों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बिहार में कुल 63 प्रतिशत ओबिसी-ईबीसी की आबादी ही निर्णायक होगी। एससी -एसटी के 21 प्रतिशत वोट पर राजनैतिक दलों की नजर है। जाति के इस गणित को समझना टेडी खीर है। लेकिन विकास के वादे और रोजगार पर सत्तारूढ़ दल ने महिलाओ को मदद की है। उससे भी एनडीए को सीधा लाभ मिलेगा। जदयू के पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में वोट शेयर ने घटा था। उसके कई कारण हो सकते है।

बिहार की लोकगायिका मैथेली की बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ने की सम्भावना जताई जा रही है। उसके बाद नरेंद्र मोदी के प्रति भरोसा और विकास के लिए जरूरत बिहार में ज्यादा दिखती है । भाजपा ने ओबोसी, ईबीसी, एसी-एसटी पर भर भरोसा जताया है। राजद,कांग्रेस में मुस्लिमो को अपनी तरफ खींचने की कवायद से हिन्दुओ में ध्रुवीकरण हुआ तो उसका फायदा सीधा भाजपा को हो सकता है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो तेजस्वी ने उसे अपने पीछे दौड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। राहुल गांधी की लाख कोशिशों और तेजस्वी की सारी रणनीतियों के बावजूद बिहार में लोगो का ध्यान आकृष्ट तो कर सकते है लेकिन सत्य को पराजित नही जा सकता है। कांग्रेस ने राजद की अंगुली पकड कर बिहार की राजनीति में भूचाल लाने की रणनीति के पीछे प्रियंका की चाटूकारिता रही है। दोनो भाई बहन की बिहार में प्रतिष्ठा का सवाल खड़ा हो गया है। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर है। उधर,11 नामो के साथ बिहार में आम आदमी पार्टी ने सूची जारी की है। बिहार में बीजेपी की मैराथन बैठक में बिहार के सिटिंग विधायको को लेकर चिंतन किया जा रहा है। दावेदारी किसको देनी है इसका मसाला केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। सुझाव समिति की सभी सदस्यों ने अपना सुझाव दिया है और मजबूत उम्मीदवार को तवज्जों दी जा रही है। बीजेपी बिहार में एनडीए के सहयोग से पूरी ताकत झोंकेगी। शाहबाद और मगध एनडीए के लिए प्राथमिकता रहेंगे। क्योंकि 2020 के विधानसभा चुनाव में इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन नही कर सकी। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर स्थिति में है। ऊपर से सीटो के त्याग संशय से चिंतन है। कांग्रेस के पास बिहार में मजबूत नेता की जरूरत है। तभी समीकरण सधता नजर आ सकता है । वैसे तो सूबे में तिकोना संघर्ष है। लेकिन चतुष्कोणीय मुकाबला करा सकती है। राजद और कांग्रेस की सौदेबाजी पर सबकी नजर है। कांग्रेस को अब नाक बचाने की चिंता है। गांधी परिवार की विरासत का भूत लोगो के दिमाग से तीस वर्ष पहले ही उतर चुका था। क्योंकि कांग्रेस धरातल पर आ गई। कांग्रेस के धुरंधर कहे जाने वाले नेता भी पिछले चुनाव में हार गए। अब असली परीक्षा तो इन दलों की चुनाव में है। सभी के साथ मिलकर प्रत्याशी उतार रहे है। हालांकि चुनाव के बीच अभी 38 दिन बाकी है। लेकिन राजनैतिक दल अभी से चुनाव की तैयारी में जुट गए है। राजद और कांग्रेस दोनो विरोधी गठबंधन है। कांग्रेस के हित राजद से मेल नही खाते। राजद कांग्रेस खोई हुई राजनीतिक जमीन पर काबिज है। क्योंकि चुनौती भाजपा की है। तीस साल से बिहार में वापसी का सपना देखने वाले राहुल को हकीकत समझ मे आ ही गई। तीसरे पायदान पर खड़ी भाजपा से अपना मुकाबला मान रहे है । चुनाव की बयार अभी उलट बहने से कांग्रेस डरी हुई है। क्योंकि कांग्रेस के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए ठोस मुद्दे नही है। अब तो चुनाव के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

संपादकीय

जाति जनगणना: सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देना

जाति जनगणना दशकों से निष्क्रिय रही है और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तक ही सीमित रही है। बिहार में जाति जनगणना के बाद, एक व्यापक राष्ट्रीय जाति जनगणना की माँग एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दे के रूप में उभरी है। विभिन्न राजनीतिक दलों के दबाव के बाद, वर्तमान सरकार ने जाति-आधारित जनगणना कराने की अपनी मंशा की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य भारतीय जनसंख्या की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का जाति आधारित आकलन करना है जो संविधान में सकारात्मक कार्रवाई के लिए एक मानदंड है। यह समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सामाजिक न्याय और समानता की आवश्यकता को प्रबल करता है। सतत प्रगति और सामाजिक उत्थान के लिए सुनिश्चित करना सरकार का सर्वोच्च कर्तव्य है।

एक व्यापक जाति जनगणना भर्ती, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा में लगातार व्याप्त असमानताओं को उजागर करने का वादा करती है। विश्लेषक बताते हैं कि कई सार्वजनिक सेवाएँ और सरकारी योजनाएँ जाति, लिंग, भूगोल और आर्थिक स्थिति के अंतसंबंधित नुकसानों के कारण सबसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों तक पहुँचने में विफल रहती हैं। विश्वसनीय ऑकडे नीति निर्माताओं को सकारात्मक कार्रवाई योजनाओं को परिष्कृत करने का एक नया अवसर प्रदान करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि लाभहाशिए पर रहने वाले जाति समूहों सहित कमजोर और दलित वर्गों तक पहुँचे। ये सकारात्मक योजनाएँ सरकारी सेवाओं, उच्च शिक्षा और सिविल सेवाओं में आरक्षण से लेकर भूमि वितरण और आजीविका कार्यक्रमों तक सूबसे वंचित परिस्थितियों में रहने वालों पर प्रभावी रूप से लक्षित होनी चाहिए। सटीक आँकड़े कार्यान्वयन और संसाधन वितरण की प्रभावशीलता का आकलन करने में मदद करेंगे। उदाहरण के लिए, वे प्रत्येक जाति, जाति समूह के लिए आरक्षण का उचित प्रतिशत निर्धारित करने में मदद कर सकते हैं या यह मूल्यांकन कर सकते हैं कि संसद और राज्य विधानसभाओं में आरक्षित सीटें जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को दर्शाती हैं या नहीं, जिससे जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व मजबूत होगा।

भारत में जाति गणना की एक ऐतिहासिक मिसाल है। यह 1881 और 1931 के बीच औपनिवेशिक प्रशासन द्वारा की गई थी, जिसके दौरान अंग्रेजों ने जनसंख्या के वर्गीकरण और नियंत्रण के लिए धार्मिक और व्यावसायिक श्रेणियों के साथ-साथ जातिगत पहचानों को भी सूचीबद्ध किया था। 1951 में, जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में नव-संप्रभु भारतीय प्रशासन ने अनुसूचित श्रेणियों, श्रेणिजवाहरलाल से आगे जाति गणना बंद कर दी, इस डर से कि आधिकारिक मान्यता सामाजिक विभाजन को और गहरा कर सकती है। 1961 तक, केंद्र सरकार ने अलग-अलग राज्यों को लक्षित कल्याण के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का सर्वेक्षण और पहचान करने की अनुमति दे दी, फिर भी राष्ट्रव्यापी जाति

जातीय जनगणना से सकारात्मक पहलू यह है कि इससे वंचित वर्गों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलेगी, जिससे सरकार उनके लिए बेहतर नीतियां बना सकेगी और समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, जनसंख्या के जातिवार आंकड़े सरकारी योजनाओं के वितरण को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेंगे और किसी भी वर्ग को लाभ से वंचित होने से रोकेंगे।

जनगणना का अभाव रहा। सामाजिक स्त्रीकरण के गहन अध्ययन के बाद, 1980 में मंडल आयोग ने सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की।

भारतीय वायुसेना दिवसः साहस, समर्पण और शक्ति का संगम भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं।

भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं।

भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थरार्ते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थरार्ते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे।

'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में ह्यरॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

मुद्दा-शिक्षकों पर क्यों लटकी तलवार?

रोहित कौशिक

पूरे देश में कक्षा एक से आठ तक के शिक्षक इन दिनों भारी मानसिक दबाव झेल रहे हैं। कारण है सुप्रीम कोर्ट का वह आदेश जिसमें शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी पास करने का आदेश दिया गया है।

टीईटी के संबंध में माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपनी जगह सही हो सकता हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में नियम और कानून के हिसाब से अपना फैसला दिया है। सवाल यह है कि क्या यह फैसला व्यावहारिक है ? सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर अपना फैसला दे दिया है लेकिन देश की संसद क्या कर रही है ? इस मुद्दे पर राजनेता चुप क्यों हैं ? जो शिक्षक पचास या पचपन वर्ष के हो चुके हैं क्या उनके लिए यह फैसला व्यावहारिक है?

पिछले कुछ समय से केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें शिक्षकों पर विभिन्न तरह के दबाव डाल रही हैं। शिक्षा प्रदान करने के अलावा शिक्षकों से हजार काम लिए जा रहे हैं, इसके बावजूद शिक्षकों को पापी सिद्ध करने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अब कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। जिन शिक्षकों की सेवा में पांच साल से अधिक का समय बाकी है, उन्हें दो साल के भीतर टीईटी पास करना होगा।

अगर वे इस अवधि में परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं तो उन्हें सेवा छोड़नी पड़ेगी या अनिवार्य सेवानिवृत्ति लेनी होगी। हालांकि जिनकी सेवा अवधि पांच साल से कम है उन्हें टीईटी पास करने की बाध्यता नहीं है लेकिन वे प्रमोशन के लिए अयोग्य रहेंगे। यह नियम सरकारी और निजी दोनों शिक्षकों पर लागू होगा। हालांकि फिलहाल अल्पसंख्यक विद्यालयों को इससे छूट दी गई है। इस मुद्दे पर अल्पसंख्यक वाले मामले को सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच को सौंपा गया है। खबर है कि फैसले का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

शिक्षकों का कहना है कि पहले जो शिक्षक नियुक्त हुए थे, उनकी भर्ती उस समय के नियम और मानकों के हिसाब से हुई थी। अब सेवा के आखिरी वर्षों में उनसे टीईटी पास करने को कहना न्यायसंगत नहीं है। दरअसल पचास-पचपन की उम्र के बाद इंसान कई तरह के मनोवैज्ञानिक दबाव झेल रहा होता है। इस उम्र में वह पढ़ा तो सकता है लेकिन अगर उससे कहा जाएगा कि आप परीक्षा पास कीजिए नहीं तो आपकी नौकरी चली जाएगी तो उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव और बढ़ जाएगा। यही कारण है सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शिक्षक परेशान है। शिक्षकों के लिए समय-समय पर कई तरह की रिफ्रेशर कोर्स चलते रहते हैं। बेहतर होता कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देती। इस तरह का अव्यावहारिक फैसला शिक्षकों पर थोपना उनके साथ अन्याय है। टीईटी के संबंध में यह फैसला कई तरह से व्यावहारिक नहीं है। स्कूलों में बड़ी संख्या में बीएड, बीपीएड, इंटरमीडिएट पास तथा बीटीसी मुक्त शिक्षक हैं। कई शिक्षक मृतक आश्रित कोटे में भी भर्ती हुए हैं। शिक्षकों की भर्ती के मानक अलग अलग समय पर अलग अलग रहे। जैसे उत्तर प्रदेश में 1898 से पहले बारहवी पास और बीटीसी के आधार पर भर्ती हुई। 1999 से इसे स्नातक किया गया, इसमें कुछ बीएड और बीपीएड लोग भी आए। यानी उस समय जो मानक थे उसी के आधार पर शिक्षकों की भर्ती हुई। एक व्यावहारिक दिक्कत यह है कि अगर कोई बारहवी पास शिक्षक टीईटी पास करना चाहे तो उसे पहले स्नातक की परीक्षा पास करनी होगी और फिर बीटीसी का प्रशिक्षण लेना होगा, तब जाकर वह टीईटी कर पाएगा। यानी इसमें काफी साल लग जाएंगे। जबकि टीईटी पास करने के लिए सिर्फ दो साल का समय दिया गया है। शायद ही किसी नौकरी में मानक इतनी बार बदले गए हों जितनी बार शिक्षकों की भर्ती में बदले गए हैं। सरकार द्वारा शिक्षकों पर समय-समय पर कई तरह के दबाव बनाए जाते हैं। समाज के कुछ लोग भी यह प्रदर्शित करने से पीछे नहीं हटते कि शिक्षक तो फ्री का वेतन ले रहे हैं। ऐसे लोग इस बात को भूल जाते हैं कि शिक्षकों को गांव-गांव मंप धूप, बारिश और बाढ़ में भी काम पर लगा दिया जाता है। अगर स्कूल में बच्चे नहीं आते हैं तो उसमें भी शिक्षकों की गलती निकाल दी जाती है। सवाल यह है कि जानबूझकर शिक्षकों का शोषण करने की कोशिश क्यों की जा रही है ? अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में आशा की एक किरण दिखाई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी की अनिवार्यता पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई है। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। हिमाचल प्रदेश में भी शिक्षकों ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा है। हिमाचल प्रदेश सरकार भी इस मुद्दे पर पुनर्विचार याचिका दाखिल करने जा रही है। देश के कई अन्य राज्यों में भी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शिक्षकों में नाराजगी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि शिक्षक भर्ती प्रक्रियाओं में समय-समय पर कई तरह की असमानताएं रही हैं। इन असमानताओं को किसी एक नियम से दूर नहीं किया जा सकता है। शिक्षकों की भर्ती किसी अनुकंपा के आधार पर नहीं की गई है। नियम और कानून के अनुसार ही की गई है। इसलिए अब शिक्षकों पर इस नियम को लादना उसके साथ अन्याय होगा। इस समय शिक्षकों की नौकरी बचाने और उन्हें मानसिक तनाव से बचाने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों को गंभीर पहल करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी शटडाउन से परमाणु हथियारों की सुरक्षा भी प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी शटडाउन के कारण देश में परमाणु हथियारों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन (एनएनएसए) के पास परमाणु हथियारों की सुरक्षा व रख-रखाव के लिए सिर्फ चंद दिनों का धन बचा है। राइट ने फॉक्स न्यूज के साथ साक्षात्कार में गुरुवार को कहा, आठ और दिनों के लिए फंड बचा है। इसके बाद हमें देश को खतरे में डालते हुए आपातकालीन शटडाउन प्रक्रिया को अपनाना पड़ेगा। इस साल की शुरुआत में संघीय कटौती से पहले एनएनएसए के पास करीब 65 हजार कर्मचारी थे। इनमें संघीय कर्मचारियों के अलावा निविदा पर रखे गए कर्मी शामिल थे। हालिया शटडाउन योजना में ऊर्जा विभाग ने कहा था कि वह एनएनएसए के हथियार-केंद्रित कर्मचारियों को बनाए रखेगा जो महत्वपूर्ण नियंत्रण संचालन प्रणालियों को चलाते हैं। विभाग उन कर्मचारियों को भी बनाए रखेगा जो परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने जैसे कार्यों पर काम करते हैं। माना जा रहा है कि ऊर्जा विभाग के 60 प्रतिशत कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजा जा सकता है।

फलस्तीन समर्थकों के प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाएगा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन, बार-बार होने वाले विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। सरकार ने रविवार को कहा कि लगातार होने वाले विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए अब पुलिस को और अधिकार मिलेंगे। इससे उसे मार्च और प्रदर्शनों पर शर्तें लगाते समय प्रदर्शनों के समग्र प्रभाव पर विचार करने का मौका मिलेगा। यह फैसला राजधानी लंदन में प्रतिबंधित समूह फलस्तीनी एक्शन के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 500 लोगों की गिरफ्तार के बाद लिया गया है।

टीटीपी आतंकियों व शांति समिति सदस्यों के बीच झड़प, दो की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों और शांति समिति के सदस्यों के बीच झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार को टैंक जिले में गुल इमाम में हुई। झड़प में कई घालय भी हुए हैं।?मृतकों में एक पैदल यात्री भी शामिल है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी है।

पाकिस्तान में बंदूकधारियों ने की अफगान मौलवी की हत्या

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक अफगान मौलवी की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना ऐसे समय में हुई, जब अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान में निर्वासन और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की पहचान पक्तिया प्रांत के अफगान इमाम आदम खान के रूप में हुई। खान पर रजा खान मरियमजई मस्जिद के पास हमला हुआ और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिका : आईसीई प्रदर्शनकारियों ने महिला को गोली मारी, गंभीर

शिकागो, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारी के वाहन को टक्कर मारने पर संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मारकर घायल कर दिया। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना बढ़ते आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार की ओर से डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई। संघीय एजेंटों का दावा है 10 कारों ने मिलकर अधिकारियों को घेर लिया था। इनमें एक कार के चालक के पास अर्ध-स्वचालित हथियार था, इसलिए उन्हें आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी।

रूस ने पाक को लड़ाकू विमान के इंजन बेचने के दावे को किया खारिज

मास्को, एजेंसी। रूस ने पाकिस्तान के जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-3 लड़ाकू विमानों के लिए आरडी-93एमए इंजन आपूर्ति करने के दावों को खारिज किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रूस ने पाकिस्तान को इन इंजनों की आपूर्ति करने का फैसला किया है। रूस ने कहा कि वह पाकिस्तान के साथ ऐसा कोई करार नहीं करेगा, जिससे भारत को असुविधा हो। मीडिया रिपोर्ट में एक रूसी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि मॉस्को ने इस तरह की किसी भी सौदे की पुष्टि नहीं की है। सूत्र ने कहा कि यह रिपोर्ट भारत और रूस के बीच मजबूत और दीर्घकालिक सहयोग में दरार डालने की कोशिश है।

माउंट एवरेस्ट पर आया बर्फीला तूफान

फंस गए 1 हजार से ज्यादा लोग, ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा

ल्हासा, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट इलाके में भयंकर बर्फीले तूफान की वजह से कम से कम 1 हजार लोग फंस गए हैं। रविवार को उन्हें बचाने के लिए युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया गया है। करीब 4,900 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस क्षेत्र में बर्फबारी के कारण रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं, जिन्हें हटाने के लिए सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों और बचाव दल को तैनात किया गया है। बीबीसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि कुछ पर्यटकों को पहले ही बचा लिया गया है।बर्फबारी का यह दौर शुक्रवार शाम से शुरू हुआ और तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में और तेज हो गया। यह इलाका पर्वतारोहियों के बीच काफी लोकप्रिय है।जानकारी के मुताबिक करीब 350 ट्रेकर सुरक्षित कुदांग पहुंच गए हैं। वहीं 200 लोगों के साथ संपर्क स्थापित हो गया है। चीन की मीडिया ने कुछ वीडियो जारी की हैं जिनमें देखा जा सकता है कि घुटनों तक जमी बर्फ में रास्ता बनाकर ट्रेकर किसी तरह आगे बढ़ रहे हैं।

बता दें कि अक्टूबर के महीने में इस तरह के बर्फीले तूफान की किसी को उम्मीद नहीं थी। रॉयटर्स ने एक ट्रेकर के हवाले से बताया, यहां बहुत ज्यादा ठंड है और हाइपोथर्मिया का खतरा है। गाइड्स का भी कहना है कि इस महीने में कभी ऐसा मौसम नहीं होता था। माउंट एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है, जिसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से अधिक है, और इसे चीन में माउंट कोमोलांगमा कहा जाता है। अक्टूबर के महीने में यहां सबसे ज्यादा पर्यटक और ट्रेकर पहुंचते हैं क्योंकि इस दौरान आम तौर पर आसमान साफ रहता है और मॉनसून भी लौट जाता है। चीन में आठ दिन के नेशनल डे दौरान छुट्टियों के चलते इस बार ट्रेकर की संख्या काफी बढ़ गई थी। बता दें कि हिमालयी क्षेत्रों में बारिश भी तबाही मचा रह है। नेपाल में ही बाढ़ और भूस्खलन में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

नेपाल में भी प्राकृतिक आपदा

एवरेस्ट के पड़ोसी देश नेपाल में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ आई, जिससे अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

चीन में टाइफून माटमो का असर

इस बीच टाइफून माटमो, जो 2025 के प्रशांत क्षेत्र का 21वां नामित तूफान है, रविवार को दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के ज़हानजियांग शहर में तट पर पहुंचा। स्थानीय सरकारों ने 347,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया। माटमो की अधिकतम गति 151 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई।

एवरेस्ट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा

माउंट एवरेस्ट, जिसे चीन में कुमोलांग्मा पर्वत कहा जाता है, दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है, जिसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से अधिक है। हर साल कई पर्वतारोही यहां चढ़ाई के लिए आते हैं, लेकिन चरम मौसम और प्राकृतिक आपदाओं के कारण यह क्षेत्र हमेशा जोखिमपूर्ण रहता है।

महिला ने अपने चार बच्चों पर चला दी गोली, फिर पुलिस को लगा दिया फोन, दो की मौत

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक महिला ने कथित तौर पर अपने चार बच्चों पर गोलियां चला दीं, जिससे दो बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि उस पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। ब्रेजोरिया काउंटी के शेरिफ बो स्टालमैन ने पत्रकारों को बताया कि उस 31 वर्षीय महिला पर हत्या और घातक हथियार से गंभीर हमले के दो-दो मामले दर्ज किए गए हैं और उसे 1.4 डॉलर के बॉन्ड पर हिरासत में लिया गया है। स्टालमैन ने कहा कि चार बच्चों में से दो की उम्र 13 और 4 साल थी, जो शनिवार को एक वाहन के अंदर गोली लगने से मारे गए। अन्य बच्चों की उम्र 8 और 9 साल है, जिन्हें एक मेडिकल हेलीकॉप्टर द्वारा ह्यूस्टन क्षेत्र के एक अस्पताल में ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर है। स्टालमैन ने बताया कि गोली चलाने के बाद महिला ने पुलिस को सूचित करने के लिए कॉल किया था।

अधिकारियों ने घटनास्थल से एक हथियार बरामद किया है। स्टालमैन ने कहा, इस तरह की संवेदनहीन त्रासदी को समझना असंभव है लेकिन हम इन बच्चों को न्याय दिलाने के लिए वह सब करेंगे जो हम कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला ह्यूस्टन के उत्तर में स्थित मोंटगोमरी काउंटी की निवासी है। यह घटना एंगलटन में हुई, जो लगभग 19,500 की आबादी वाला एक शहर है। यह ह्यूस्टन से लगभग 45 मील (70 किलोमीटर) दक्षिण में स्थित है।

ट्रंप ने पुतिन के न्यू स्टार्ट संधि के प्रस्ताव पर जताई खुशी, बोले- सुनकर अच्छा लगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिका के रिश्तों में खटास आई हुई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के न्यू स्टार्ट संधि के प्रस्ताव पर खुशी जताई और कहा कि न्यू स्टार्ट संधि एक अच्छी पहल है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप से जब न्यू स्टार्ट संधि को लेकर पुतिन के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि सुनकर अच्छा लग रहा है। ये अच्छा विचार है।

न्यू स्टार्ट संधि को जारी रखने पर दिया जोर :

दरअसल बीती 22 सितंबर को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक में कहा कि रूस न्यू स्टार्ट संधि के तहत तय प्रतिबंधों का अगले एक साल के लिए और पालन जारी रखने के लिए तैयार है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि यह तभी संभव होगा, जब अमेरिका भी इसका पालन जारी रखे।

दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों को लेकर हुई यह संधि अगले साल फरवरी में समाप्त होने वाली है। रूस की सरकार ने कहा है कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि रूस की सुरक्षा चिंताओं का समाधान होना चाहिए। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई

लावारोव ने भी बीती 27 सितंबर को अपने एक बयान में भी यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर चर्चा की बात कही।

यूक्रेन संघर्ष रोकने के लिए बातचीत के लिए तैयार :

लावारोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जैसा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन लगातार जोर दे रहे हैं कि रूस संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत के लिए तैयार है। हालांकि रूस की सुरक्षा अहम है और उसकी चिंताओं को दूर किया जाना चाहिए। साथ ही रूस और रूसी भाषा बोलने वाले लोगों को अधिकारों को भी सुरक्षित किया जाना चाहिए। इसके आधार पर हम यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। न्यू स्टार्ट संधि रूस और अमेरिका के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण के उद्देश्य से की गई संधि है। यह संधि, अमेरिका और रूस द्वारा तैनात किए जाने वाले सामरिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती है। साल 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और तत्कालीन रूसी समकक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे।

यह संधि फरवरी 2011 में लागू हुई और साल 2021 में इसे पांच साल के लिए बढ़ाया गया। इस समझौते के तहत अमेरिका और रूस निम्न बातों को मानने के लिए प्रतिबद्ध हैं- 1,550 से ज्यादा सामरिक परमाणु हथियार और अधिकतम 700 लंबी दूरी की मिसाइलें और बमवर्षक तैनात नहीं किए जाएंगे। 800 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों से ज्यादा की तैनाती नहीं की जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि दूसरे पक्ष ने संधि की सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया है, दोनों पक्ष हर साल सामरिक परमाणु हथियार स्थलों का अधिकतम 18 बार निरीक्षण कर सकते हैं। कोविड महामारी के कारण मार्च 2020 में समझौते के तहत निरीक्षण रोक दिए गए थे।

निरीक्षण फिर से शुरू करने पर मास्को और वाशिंगटन के बीच पिछले नवंबर में मिस्र में वार्ता होनी थी, लेकिन रूस ने इसे स्थगित कर दिया और दोनों पक्षों ने कोई नई तारीख तय नहीं की है।

एक महीने में पांचवीं बार अमेरिका ने वेनेजुएला की नौका को बनाया निशाना

रूस की चेतावनी- इससे तनाव बढ़ेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की एक और नौका को वेनेजुएला के तट पर निशाना बनाया है। पहले से ही अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव है और ताजा हमले के बाद यह तनाव और बढ़ गया है। यह अमेरिका का वेनेजुएला की नौकाओं को निशाना बनाकर एक महीने में किया गया पांचवां हमला है। अमेरिका का दावा है कि जिन नौकाओं को निशाना बनाया गया, उससे ड्रग तस्करी हो रही थी।

शुक्रवार को भी अमेरिका ने वेनेजुएला की नौका को बनाया था निशाना : रविवार को नोर्फ्लोक नेवल स्टेशन पर मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शनिवार को वेनेजुएला की एक और नौका को निशाना बनाया गया है। ट्रंप ने कहा हाल के हफ्तों में नेवी ने नशा तस्कर आतंकियों के खिलाफ हमारे अभियान में मदद की है और बीती रात भी एक नौका को निशाना बनाया गया। जिसके बाद हमें समुद्र में उनकी कोई नौका नहीं दिख रही है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने शुक्रवार को भी वेनेजुएला की एक नौका को निशाना बनाया था, जिसमें चार लोग मारे गए थे। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को हमले की बात कही। ऐसे में ये साफ नहीं हो पाया कि शनिवार को अमेरिका ने नया हमला किया या राष्ट्रपति ट्रंप शुक्रवार के हमले का ही जिक्र कर रहे थे और गलती से शनिवार बोल गए।

रूस ने दी चेतावनी : अमेरिका का दावा है कि वे वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं को निशाना बना रहा है। हालांकि अमेरिका ने अभी तक अपने दावे के पक्ष में कोई सबूत नहीं दिया है। वहीं रूस ने अमेरिका के वेनेजुएला की नौकाओं पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किए जा रहे हमलों की निंदा की है। रूस ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी हमलों से कैरेबियाई क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। रूस के विदेश मंत्री ने वेनेजुएला के विदेश मंत्री से रविवार को टेलीफोन पर बात भी की और अमेरिकी हमलों की निंदा की। रूस ने वेनेजुएला के नेतृत्व और वेनेजुएला को लोगों को मौजूदा परिस्थिति में पूरा समर्थन देने की बात कही।

अमेरिका ने कैरेबियाई क्षेत्र में तैनात किए युद्धपोत : अमेरिका के हमलों में वेनेजुएला के 15 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इन हमलों के चलते अमेरिका और वेनेजुएला में तनाव बढ़ गया है।

वेनेजुएला ने अमेरिकी हमलों को वेनेजुएला के खिलाफ अघोषित युद्ध करार दिया है। अमेरिका ने भी कैरेबियाई क्षेत्र में अपने कई युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। साथ ही लड़ाकू विमानों से भी निगरानी की जा रही है। वेनेजुएला ने भी अपने स्तर पर संभावित संघर्ष की तैयारी शुरू कर दी है।

अमेरिका के पिट्सबर्ग में भारतीय मूल के शख्स की गोली मारकर हत्या

हमलावर से पूछा था- क्या तुम ठीक हो

पिट्सबर्ग, एजेंसी। अमेरिका के पिट्सबर्ग में एक भारतीय मूल के शख्स राकेश एहागाबन (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शख्स एक मोटल का मालिक था। घटना शुक्रवार दोपहर की है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, मोटल के पार्किंग लॉट में एक विवाद हुआ था, जिसके बाद हंगामा शुरू हुआ। इसे सुनकर राकेश बाहर आया। पुलिस के मुताबिक, राकेश दो लोगों के बीच झगड़ा सुलझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी 37 साल के स्टैनली यूजीन वेस्ट ने राकेश को सिर में गोली मार दी।

जब वेस्ट का झगड़ा हुआ तब राकेश उसके पास गए और पूछा कि क्या तुम ठीक हो, दोस्त? इसके तुरंत बाद वेस्ट ने राकेश के सिर में गोली

मार दी। राकेश घटना स्थल पर ही मृत पाए गए। घटना से पहले, वेस्ट ने मोटल के बाहर एक महिला को गोली मारी थी।

पुलिस ने बताया कि हमलावर पर हत्या, हत्या का प्रयास और दूसरे व्यक्ति की जान को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि मोटल मालिक की हत्या के बाद वेस्ट बड़ी बेपरवाही से पास खड़ी एक -Haul वैन तक गया और गाड़ी चलाकर वहां से निकल गया। बाद में पुलिस ने उसका पीछा किया। इस दौरान वेस्ट ने पुलिस पर गोली चलाई, जिससे एक पिट्सबर्ग डिटेक्टिव के पैर में चोट लगी।

सीरिया में 14 साल बाद चुनाव, अल-शरा की जीत तय

अमेरिका ने 12 साल तक ग्लोबल आतंकी घोषित रखा, अब राष्ट्रपति बनेंगे

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में लगभग 14 साल बाद संसदीय चुनाव हुए हैं। एक ऐसा देश जो बशर अल-असद की तानाशाही और 13 साल लंबे गृहयुद्ध से तबाह हुआ। रविवार सुबह दमिश्क में मतदान शुरू हुआ तो इसे असद युग के अंत के बाद नए दौर की शुरुआत बताया गया। पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट किए जाने के बाद अहमद अल-शरा ने अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर सत्ता संभाली थी। इसके बाद उन्होंने अमेरिका और पश्चिमी देशों से संबंध बेहतर किए।

अल-शरा को अमेरिका ने मई 2013 में स्पेशल डेसिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट (स्ष्ठतज्ञ) घोषित किया था। 12 साल बाद अमेरिका ने जुलाई 2025 को उनका नाम आतंकियों की सूची से बाहर किया। अपने आप में यह एक अनोखा मामला है।

आम जनता चुनावी प्रक्रिया से बाहर : अल-शरा ने पिछले साल अंतरिम राष्ट्रपति का पद संभलाने के बाद वादा किया था कि यह चुनाव लोकतांत्रिक बदलाव की दिशा में पहला कदम होगा, मगर हकीकत में जनता को वोट देने का अधिकार ही नहीं मिला। 210 सदस्यीय संसद में दो-तिहाई यानी 140 सीटों पर मतदान 7 हजार चयनित चुनावी कॉलेज सदस्यों ने किया, जिन्हें सरकार द्वारा नियुक्त जिला समितियों ने चुना था। शेष 70 सीटें खुद शरा की नियुक्ति से भरी जाएंगी। आम जनता और राजनीतिक दल दोनों ही चुनाव प्रक्रिया से बाहर हैं। सबसे बड़ा विवाद जनता की अनुपस्थिति का है। आलोचकों के मुताबिक यह चुनाव शरा सरकार की वैधता मजबूत करने की कवायद है, न कि जनता की इच्छा का प्रतीक। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का कहना है, सीरिया की यह पहली आजादी के बाद की संसद लोकतंत्र की दिशा में कदम भले हो, लेकिन जनता की भागीदारी के बिना यह महज सत्ता परिवर्तन का औपचारिक चेहरा बनकर रह गया है। इस चुनाव में अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की जीत तय है।

सीरिया में चुनावों की प्रक्रिया क्या है? : सीरिया की नई संसद में 210 सदस्य हैं। इनमें से 140 सीटों पर 7,000 इलेक्टोरल कॉलेज सदस्य मतदान कर रहे हैं। ये सदस्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। बाकी बचे सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा सीधे नियुक्त करेंगे।

राष्ट्रपति के लिए रिजर्व सीटों का क्या मतलब है? : राष्ट्रपति शरा के नियुक्त 70 सीटों के जरिए महिलाओं, अल्पसंख्यकों और सहयोगी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है।

आलोचकों के मुताबिक यही सीटें सरकार की स्थायी बहुमत सुनिश्चित करेंगी।

चुनाव के नतीजे कब आएंगे? : मतदान 5 अक्टूबर को हुआ। प्रारंभिक नतीजे 6 अक्टूबर को जबकि अंतिम परिणाम 7 अक्टूबर को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी करेंगे।

जनता वोट क्यों नहीं कर रही है? : सरकार का कहना है कि गृहयुद्ध और विस्थापन के कारण जनगणना और मतदाता सूची तैयार करना असंभव है।

करोड़ों लोग दस्तावेजों के बिना हैं। इसलिए सीधे जनमत कराने की बजाय यह सीमित प्रक्रिया अपनाई गई है।

किसके जीतने की संभावना है? : 70 सीटें शरा की नियुक्ति से भरी जाने के कारण संसद में शरा समर्थकों की निर्णायक जीत तय मानी जा रही है।

असद की पार्टी और विद्रोहियों ने चुनाव को नकारा : हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस)- उत्तर-पश्चिमी सीरिया में सक्रिय यह संगठन चुनावों को दमिश्क की सत्ता का नाटक बता रहा है। उसका कहना है कि अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार देश के वास्तविक प्रतिनिधित्व से कोसों दूर है, क्योंकि उसने जनता को वोट का अधिकार ही नहीं दिया।

तीन भारतीय आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित

दुबई (एजेंसी)। भारत के करिश्माई खिलाड़ी अभिषेक शर्मा, कुलदीप यादव (पुरुष वर्ग में) और स्मृति मंधाना (महिला वर्ग में) को सितंबर महीने के लिए 'आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। बाएं हाथ के टी20 विशेषज्ञ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यूएई में खेले गए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात टी20 मैच में तीन अर्धशतक की मदद से 314 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा और उन्हें इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

इस 25 साल के बल्लेबाज ने पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सर्वाधिक रेटिंग 931 अंक (बल्लेबाजी) भी हासिल की। कलाई के वामहस्त स्पिनर कुलदीप ने भी इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट चटकाए। एशिया कप में उन्होंने अपना अभियान यूएई के खिलाफ सात रन पर चार विकेट के साथ शुरू किया जबकि फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 30 रन पर चार विकेट लेकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

भारत ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को तीन बार शिकस्त दी। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट इस नामांकन को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। बेनेट श्रीलंका और नामीबिया के खिलाफ श्रृंखला के सर्वोच्च स्कोरर रहे। उन्होंने इसके बाद टी20 विश्व कप के अफ्रीका क्षेत्र के फाइनल के शुरुआती तीन मैचों में 72, 65 और 111 रन बनाए। उनकी शानदार बल्लेबाजी से जिम्बाब्वे 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा।

भारत की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को महिला वर्ग में इस खिताब के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने सितंबर में चार वनडे मैचों में 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 58, 117 और 125 रन की पारियां खेलीं।

भारत इस श्रृंखला का पहला मैच हार गया था, लेकिन मंधाना की शतकीय पारी से टीम ने दूसरा मुकाबला जीतकर श्रृंखला 1-1 से बराबर की। उन्होंने इसके बाद निर्णायक मैच में भी शतक जड़ा लेकिन भारत 1-2 से श्रृंखला हार गया। वह इस श्रृंखला की

'सर्वश्रेष्ठ' खिलाड़ी चुनी गयी थी। महिला वर्ग में मंधाना के अलावा पाकिस्तान की सिदरा अमीन और दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स को नामांकित किया गया है।

महेंद्र सिंह धोनी ने पूरा किया ड्रोन पायलट प्रशिक्षण

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के अग्रणी ड्रोन निर्माता गरुड़ एयरोस्पेस ने घोषणा की है कि उसके ब्रांड एंबेसडर और निवेशक महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई स्थित कंपनी के DGCA-अनुमोदित रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (RPTO) में अपना ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह उपलब्धि न केवल कंपनी के साथ धोनी के जुड़ाव को मजबूत करती है, बल्कि भारत के सबसे प्रसिद्ध खेल दिग्गजों में से एक के विमानन प्रौद्योगिकी के भविष्य में कदम रखने के एक महत्वपूर्ण क्षण को भी चिह्नित करती है।

यह निवेश और ब्रांड एंबेसडरशिप से परे गरुड़ एयरोस्पेस के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करता है। कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के बाद धोनी अब ड्रोन उड़ाने के लिए प्रमाणित हो गए हैं, जो भारत की विकास गाथा को बदलने की उनकी क्षमता को उजागर करता है। यह प्रशिक्षण प्रमाणित और सुरक्षित ड्रोन संचालन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें सैद्धांतिक ग्राउंड कक्षाओं के साथ-साथ सिमुलेटर और वास्तविक ड्रोन पर गहन व्यावहारिक उड़ान सत्र भी शामिल हैं।

गरुड़ एयरोस्पेस अपने प्रशिक्षण केंद्रों के बढ़ते नेटवर्क और अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से स्थापित 300 से अधिक 'उत्कृष्टता केंद्रों' के माध्यम से इस प्रयास में अग्रणी है। ये पहल यह सुनिश्चित करती हैं कि पायलट औपचारिक रूप से प्रमाणित हों, जिससे कंपनी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता के प्रति प्रतिबद्धता और भी मजबूत होती है।

धोनी की उपलब्धि के बारे में बात करते हुए गरुड़ एयरोस्पेस के संस्थापक और सीईओ अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा, 'हमारे ब्रांड एंबेसडर और निवेशक, एमएस धोनी का व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण लेना और पायलट के रूप में प्रमाणित होना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इसे बहुत जल्दी सीख लिया और सीखने पर बेहद ध्यान केंद्रित किया। ड्रोन उद्योग में क्रांति लाने के हमारे मिशन में उनका अटूट विश्वास पूरी टीम के लिए प्रोत्साहन का एक बड़ा स्रोत है। माही भाई एक प्रेरणा हैं, और उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और इस क्षेत्र में कौशल और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को और पुष्ट करता है।'

महेंद्र सिंह धोनी ने बताया कि उन्होंने गरुड़ एयरोस्पेस के साथ अपना छठा ड्रोन पायलट प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। DGCA द्वारा अनुमोदित आरपीटीओ, गरुड़ एयरोस्पेस ने अपने अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में 2,500 से अधिक महत्वाकांक्षी पायलटों को प्रशिक्षित किया है। धोनी ने गरुड़ एयरोस्पेस के साथ अपनी यात्रा जारी रखने और इसके विकास को देखने के लिए अपनी उत्सुकता भी साझा की।

दूसरे टेस्ट में सुदर्शन की जगह पडीक्कल को मिल सकता है मौका

मुम्बई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में रन बनाने में असफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट मैच में शायद ही जगह मिले। नंबर तीन पर टीम इंडिया को एक अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। इसी को देखते हुए सुदर्शन की जगह पर देवदत्त पडीक्कल को अवसर मिल सकता है। पड़िक्कल ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। दोनो टीमों के बीच दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही जीत हासिल कर ली पर सुदर्शन मैच में रन नहीं बना पाये। वह 19 गेंदों पर 7 रन ही बना पाये। ऐसे में टेस्ट क्रिकेट में उनकी क्षमताओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इंग्लैंड दौरे में भी जगह मिली थी पर वह वहां भी केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे। इस बल्लेबाज को नंबर-3 बल्लेबाज के तौर पर आजमाया गया है, जिसमें वह अभी तक बुरी तरह विफल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने टेस्ट डेब्यू के बाद से ही अभी तक 4 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 0, 30, 61, 0, 38, 11 और 7 रन के स्कोर ही कुल 137 रन ही बनाए हैं। वह विदेशी धरती के बाद अपनी धरती पर भी रन बनाने में सफल नहीं हुए हैं। सुदर्शन ने अभी तक 4 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये हैं। सुदर्शन का सबसे अधिक स्कोर 61 रन है।

पृथ्वी शॉ ने पहले ठोका शतक.. फिर भिड़ गए मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान से, बीच मैदान पर हाई वोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में कमाल का शतक जमाया लेकिन उनके आउट होते ही मैदान पर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। दरअसल, पृथ्वी शॉ मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान से भिड़ गए। पृथ्वी ने वो कर दिखाया है जिसके लिए वो जाने जाते हैं। रणजी ट्रॉफी से पहले महाराष्ट्र के लिए प्रैक्टिस मैच खेल रहे पृथ्वी शॉ ने तूफानी शतक लगाया है। बड़ी बात ये है कि उन्होंने ये शतक अपनी पुरानी टीम मुंबई के खिलाफ जड़ा। एमसीए में खेले जा रहे इस मैच में पृथ्वी ने मुंबई के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। शॉ ने तूफानी बैटिंग करते हुए 219 गेंदों में 181 रन ठोके।

पृथ्वी शॉ की लड़ाई

वहीं पृथ्वी शॉ ने मुंबई के गेंदबाजों के फीते खोल दिए वो 73.2 ओवर तक क्रीज पर रहे और इस दौरान उन्होंने 219 गेंदों में 181 रन बनाए। शॉ के शतक की मदद से महाराष्ट्र टीम 430 रनों तक पहुंच चुकी थी लेकिन जैसे ही ये खिलाड़ी आउट हुआ बीच मैदान पर बड़ा बवाल हो गया। पृथ्वी शॉ को मुशीर खान ने आउट किया और इसके बाद मुंबई के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ स्लेजिंग की। स्लेजिंग सुनते ही पृथ्वी शॉ ने आपा खो दिया और वो मुंबई के खिलाड़ियों पर चिल्लाते दिखे। जब मामला बढ़ा तो अंपायर को बीच बचाव के लिए आना पड़ा। पृथ्वी शॉ ने अपनी पारी में कमाल बैटिंग की। इस खिलाड़ी ने ऑलराउंडर अर्शीन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 305 रन जोड़े। बड़ी बात ये है कि पृथ्वी शॉ ने इस मैच में अपने अंदाज से हटकर बल्लेबाजी की।

ओसाका ने वुहान ओपन में लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन)। नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। वह दूसरे दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी लुइजमिला सैमसोनोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने एमिलियाना एरेंगो को 6-1, 7-5 से शिकस्त दी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक मेरी बुजकोवा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले के साथ वुहान टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

आउट होते ही अंपायर पर नाराज हुए वैभव सूर्यवंशी

मुम्बई। मंगलवार को भारतीय अंडर-19 टीम के हेनिल पटेल और खिलन पटेल ने भारत को बेहतरीन बढ़त दिलाई। इस दौरान इन दोनों गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन से दूसरे युवा टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम 135 रन पर समेट गई। हालांकि, इसके बाद भारत की भी शुरुआत खराब रही और टीम ने सातवें ओवर में 41 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। पिछले टेस्ट में 86 गेंद में 113 रन की पारी खेलने वाले प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी 14 गेंद में 20 रन बनाकर चार्ल्स लैचमंड की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का लगाया। अपनी 20 रन की पारी के दौरान वैभव ने दो चौके और एक छक्का भी लगाया। इस बीच जोरदार अपील पर अंपायर ने वैभव सूर्यवंशी को आउट दे दिया। भारतीय बल्लेबाज कुछ समय तक अपने क्रीज पर ही खड़ा रहा और अंपायर को इशारा किया कि गेंद उनके बैट से नहीं बल्कि पैड से टकराई थी। पवेलियन लौटते समय वैभव सूर्यवंशी ने अंपायर से बात की, शायद यही कहना चाह रहे हो कि आपका फैसला गलत है। सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल है। वैभव का कैच विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने लपका। फिलहाल, भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 40 ओवर में 144 रन तक सात विकेट गंवा दिए। स्टंप्स के समय हेनिल और दीपेश क्रमशः 22 और 6 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। पहले टेस्ट में 140 रन बनाने वाले वेदांत त्रिवेदी ने 44 गेंदों पर चार चौके की मदद से 25 रन बनाए। त्रिवेदी और राहुल कुमार ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन भारत अंडर-19 ने इसके बाद सिर्फ दो रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। खिलन और हेनिल ने सातवें विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी की। शुरुआती दिन भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा 26 रन बनाने वाले खिलन दिन का खेल समाप्त होने से पहले आउट हुए।

महिला विश्वकप में आज ऑस्ट्रेलिया से हारी तो बाहर होगी पाकिस्तान

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। पाक टीम अब तक अपने दोनो ही मैच हारी है। ऐसे में अगर वह इस मैच में भी हारी तो विश्वकप से बाहर हो जाएगी। पहले मैच में उसे बांग्लादेश और दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया था। ऐसे में उसका अब तक एक भी अंक नहीं है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक अपने दोनो मैच जीती है और इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को भी बड़े अंतर से जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा। पाक टीम के अब तक के खराब प्रदर्शन को देखते हुए भी ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत तय दिख रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीमों के प्रदर्शन से काफी बेहतर रहा है। कप्तान एलिसा हीली की टीम ने अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक रन बनाये हैं। ऐसे में वह पाक के खिलाफ वह और भी बड़ा स्कोर बना सकती है।

पाक टीम अगर ये मैच हारती है तो उसका बाहर होना तय है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को पीछे कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच मे 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी। टीम की नजरें अब अपने इस रिकॉर्ड में सुधार करने के साथ ही आठवें विश्व कप खिताब को जीतने पर रहेंगी।

उसके पास सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड के अलावा एश्ले गार्डनर जैसी बल्लेबाज हैं। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन से पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने कमाल का प्रदर्शन किया था। अब इंग्लैंड, भारत व दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और पक्का करने उतरेगी।

भारत के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज से भी उसे उपमहाद्वीप के मैदानों पर खेलने का तरीका समझ में आ गया है। वहीं बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान की टीम अभी तक अंकतालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। कप्तान फातिमा सना की अब तक सभी क्षेत्रों में कमजोर नजर आयी है।

टीम की बल्लेबाजी में गहराई की कमी और मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाजों के नहीं होने से पाक टीम टूर्नामेंट में अब तक दो मैच में 200 रन भी नहीं बना पायी है। इन दो मैच में सिदरा अमीन, फातिमा सना और मुनीबा अली भी रनों के लिए संघर्ष करती दिखीं। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ भी उसकी गेंदबाजी दिशाहीन रही और उसने करीब 18 अतिरिक्त रन दिये। भारत के खिलाफ भी उसे 88 रनों से बड़ी हार झेलनी पड़ी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के जबरदस्त प्रदर्शन को को देखते हुए पाक टीम उसके सामने टिक पायेगी। ऐसी संभावनाएं नहीं हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

पाकिस्तान- फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एयमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप : भारत ने श्रीलंका को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

गुवाहाटी। भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां सुहानदिनाता कप के लिए बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा के ग्रुप एच में श्रीलंका को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ाए। ग्रुप एच में शीर्ष पर रहने के प्रबल दावेदार और दूसरे वरीय भारत ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए श्रीलंका को 45-27, 45-21 से हराया। श्रीलंका ने सोमवार को करीबी मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात को शिकस्त दी थी। अन्य शीर्ष देशों में 14 बार के चैंपियन चीन और पूर्व चैंपियन दक्षिण कोरिया ने अपने-अपने ग्रुप में दूसरी जीत दर्ज की जबकि फिलिपीन्स ने हांगकांग को 42-45, 45-28, 45-43 से हराकर उलटफेर किया। चीन ने ग्रुप डी में इंग्लैंड को 45-22, 45-19 से हराया जबकि दक्षिण कोरिया ने ग्रुप जी में पदार्पण कर रहे भूटान को 45-5, 45-17 से शिकस्त दी।

सिराज को रुट से लगता है डर, इसलिए बनाये रखते हैं दूरियां

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज काफी आक्रामक अंदाज में गेंदबाजी करते हैं। सिराज को विश्व के किसी भी बल्लेबाज को गेंदबाजी करते समय डर नहीं लगता। वह केवल इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रुट से ही डरते हैं। सिराज का कहना है कि हाल में इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भी उन्होंने रुट से इसी कारण दूरी बना ली थी। सिराज ने बताया कि रूट उनकी तरफ कभी भी आक्रामक होकर नहीं देखते केवल मुस्कुरा देते हैं, इसी कारण उनके सामने आक्रामक होना संभव नहीं है। ऐसे में वह अपनी आक्रामकता को बनाये रखने के लिए उनकी ओर नहीं देखते। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि विकेट मिलने के बाद ही उनका गुस्सा गायब होता है। जहां तक रूट की बात है, वह एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। जब वह मेरा सामना करते हैं, तो वह कभी भी मेरी तरफ गुस्से से नहीं देखते। वह मुझे देखकर मुस्कुराते रहते हैं। इसलिए जब भी मैं उन्हें देखता हूं, मेरे चेहरे पर अपने आप मुस्कान आ जाती है। उन्होंने आगे कहा, 'वह पहले व्यक्ति हैं जो मुझे देखकर शांत करते हैं और मुस्कुराते हैं। इसलिए इंग्लैंड दौरे के दौरान मैंने फैसला किया कि मैं उनकी तरफ नहीं देखूंगा और न ही उनसे बात करूंगा।।'

भारत में क्रिकेट की तरह कोरिया में तीरंदाजी की लोकप्रियता : ब्रैडी एलिसन

अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ब्रैडी एलिसन ने कहा कि दक्षिण कोरिया की तीरंदाजी में बादशाहत वहां के पेशेवर ढांचे का परिणाम है जहां इस खेल की लोकप्रियता की तुलना भारत में क्रिकेट की तरह है। कोरिया का दबदबा पेरिस 2024 ओलंपिक में भी कायम रहा जहां महिलाओं की टीम ने लगातार 10वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। कोरिया की महिला टीम 1988 सियोल ओलंपिक से अब तक अजेय रही है। पुरुष वर्ग में किम वू-जिन ने अपने करियर का पांचवां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता जो किसी भी तीरंदाज द्वारा सबसे ज्यादा है। पांच बार के ओलंपियन एलिसन ने दिल्ली में आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) से इतर 'पीटीआई' को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा, '' कोरिया दुनिया का इकलौता देश है जहां तीरंदाजी के लिए समर्पित पेशेवर प्रणाली है। उनके हर तीरंदाज का मुख्य पेशा यह है और उनकी रोजी रोटी इस खेल से चलती है, । इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की वह तीरंदाज राष्ट्रीय टीम में हो या नहीं।'' उन्होंने कहा, ''वहां तीरंदाजी वैसी है जैसे भारत में क्रिकेट या अमेरिका में फुटबॉल। बच्चे काफी कम उम्र से ही पेशेवर तीरंदाज बनने का सपना देखते हैं। उनके 50वें रैंक के खिलाड़ी की आमदनी शायद मुझसे ज्यादा है।'' एलिसन ने कहा कि कोरिया में तीरंदाज ओलंपिक की तैयारी करने वाले नहीं, बल्कि पूर्णकालिक पेशेवर माने जाते हैं। उन्होंने कहा, '' वहां बच्चे पांच-छह साल की उम्र से ही तीरंदाज बनने का सपना देखने लगते हैं। यही उनका जुनून और मुख्य खेल बन जाता है। बाकी जगहों पर लोग सिर्फ ओलंपिक टीम में आने के लिए इस खेल से जुड़ते हैं। कोरिया में तीरंदाज इसे अपना करियर बनाते हैं। यही उन्हें जिंदगी में स्थिरता और सफलता दिलाता है।'' एलिसन रिकर्व तीरंदाजी में अगस्त 2011 से अप्रैल 2013 तक सबसे अधिक समय के लिए शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी रहे हैं। ओलंपिक में पांच पदक के साथ वैश्विक प्रतियोगिताओं में 60 से अधिक पदक जीतने वाले एलिसन का मानना है कि भारत हमेशा ओलंपिक पदक की दौड़ में रहता है। उन्होंने कहा, ''भारत के पास विश्व कप और चैंपियनशिप में ढेरों पदक हैं। अगर आप अपने सर्वश्रेष्ठ दो रिकर्व तीरंदाजों को मिश्रित टीम में उतारें, तो उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा। 5 लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में पहली बार कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा को शामिल किया जायेगा।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे, गुरबख्श सिंह बोले- इस विरासत का हिस्सा होना गर्व की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी ने अपनी गौरवशाली यात्रा के 100 साल पूरे कर लिए हैं। 7 नवंबर 1925 को बने हॉकी प्रशासन के पहले संस्थान से लेकर 8 ओलंपिक स्वर्ण पदकों तक का यह सफर इतिहास में दर्ज है। इस मौके पर 90 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी गुरबख्श सिंह ने कहा कि 'यह खेल भारत की पहचान है, और इस मील के पत्थर को मनाना गर्व का क्षण है।'

1928 से 1959: भारत का स्वर्ण युग

भारतीय हॉकी का सुनहरा दौर 1928 से 1959 तक रहा, जब टीम ने लगातार ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते। 1980 के दशक में गिरावट के बाद, 2020 टोक्यो ओलंपिक में मनप्रीत सिंह की कप्तानी में कांस्य जीत ने फिर से नई शुरुआत की। 2024 पेरिस में टीम ने एक और पदक जीतकर उस विरासत को जीवित रखा।

'प्रोफेसर' जिसने दो स्वर्ण भारत को दिलाए : गुरबख्श सिंह

1959 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले गुरबख्श सिंह 1964 टोक्यो ओलंपिक और 1966 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता रहे। पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उन्हें चश्मा पहनने की वजह से 'प्रोफेसर' कहा। वे कहते हैं, 'मेरे लिए हॉकी जीवन है। हमने तब ओलंपिक में विश्व खिताब वापस जीता था, वही पल आज भी मेरे दिल में है।'

भारत-पाकिस्तान, अब तक की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता

गुरबख्श के अनुसार, भारतीय हॉकी का सबसे रोमांचक अध्याय भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत थी। उन्होंने कहा, 'मैदान के बाहर कोई दुश्मनी नहीं थी, लेकिन मैदान पर बस एक ही लक्ष्य होता था- जीतना।' उनका मानना है कि इस प्रतिद्वंद्विता ने ही दोनों देशों की हॉकी को विश्वस्तर पर पहचान दिलाई।

वॉर 2 में काम करने को लेकर बोले ऋतिक, हर फिल्म यातना नहीं होती

पिछले महीने ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 रिलीज हुई। फिल्म की काफी तारीफ हुई। इसे बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। इस फिल्म की पहली किस्त वॉर को रिलीज हुए 6 साल पूरे हो गए हैं। ऐसे में ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म वॉर 2 की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और एक पोस्ट लिखी है।

ऋतिक रोशन की पोस्ट में क्या है?

ऋतिक रोशन ने अपनी फिल्म वॉर 2 के कुछ दृश्य इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा कबीर का किरदार निभाना बहुत अच्छा था। क्योंकि मैं उन्हें पहले से जानता था। उनका किरदार निभाना आसान था। यह एक ऐसी फिल्म थी जो मैं भी कर सकता था। जैसे कई और करते हैं। यह बिल्कुल इसी तरह था जैसे अभिनेता का किरदार निभाएं, अपना काम करें और घर आ जाएं। मैंने भी वैसा ही किया। मेरे निर्देशक अयान ने मेरा बहुत साथ दिया। सेट पर वह बहुत एक्टिव रहे। सब कुछ एकदम बढ़िया था। मानो यह सब होना ही था। कोई चिंता नहीं, बस मुझे अपना काम सही से करना था और मैंने किया भी। हर फिल्म एक यातना और आघात नहीं होती।

वॉर 2 के बारे में

फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के अलावा जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी, आशुतोष राणा और अनिल कपूर ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। इसके निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म वॉर का सीक्वल है। इस फिल्म की कहानी रॉ एजेंट कबीर (ऋतिक रोशन) के आस-पास घूमती है। वह काली कार्टेल को खत्म करने के मिशन पर निकलते हैं। मिशन के दौरान अपने ही मेंटर की हत्या कर देते हैं। इसके बाद उनकी मुश्किलें शुरू होती हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

ऋतिक रोशन का काम

ऋतिक रोशन इससे पहले फिल्म फाइटर (2024) में नजर आए थे। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर थे। सिद्धार्थ आनंद ने इसका निर्देशन किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। अभी ऋतिक ने किसी नए प्रोजेक्ट का एलान नहीं किया है।

कैमरे के सामने रहती हूं बिल्कुल सहज

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने ब्लॉकबस्टर मूवी अर्जुन रेड्डी से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। यह उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में शालिनी पांडे ने अपनी एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने इस दौरान बताया कि वह कैमरे के सामने बिल्कुल सहज रहती हैं और यही उनके अभिनय का मूल मंत्र है। जब उनसे पूछा गया, क्या आपकी प्रतिभा स्वाभाविक है, या इसके लिए आपने मेहनत की है? इस सवाल पर शालिनी पांडे ने जवाब दिया, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि यह स्वाभाविक प्रतिभा है या नहीं, लेकिन मैं बचपन से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखती थी। कैमरे के सामने मैं बहुत सहज रहती हूं, खासकर जब मैं खुद शालिनी नहीं, बल्कि कोई दूसरा किरदार निभा रही होती हूं। संवाद मिलने और किसी और के रूप में ढलने पर मुझे सबसे ज्यादा सुकून और आत्मविश्वास मिलता है। शायद यही वजह है कि यह स्वाभाविक लगता है, क्योंकि अभिनय मेरा सबसे सुरक्षित और पसंदीदा ठिकाना रहा है।

इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि सीखने के लिहाज से मेरा सफर सचमुच अद्भुत रहा है। पहली ही फिल्म में मैंने जिन लोगों के साथ काम किया, वह जिस तरह की फिल्म थी और जो लोग उस फिल्म में मेरे साथ खड़े रहे, उन्होंने मेरे सफर को बहुत खास बना दिया।

उन्होंने आगे कहा, पहली ही फिल्म में मुझे बहुत अच्छे अभिनेताओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, जिससे मैं सचमुच धन्य महसूस करती हूं। उसके बाद से मैंने जितने भी प्रोजेक्ट किए हैं, वो कमाल की टीम के साथ किए हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं।

बता दें कि शालिनी पांडे ने अर्जुन रेड्डी में एक मेडिकल छात्रा का रोल प्ले किया था। इसमें विजय देवरकोंडा ने लीड रोल प्ले किया था। वह इसके बाद 'डब्बा कार्टल', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज', और '118' जैसी फिल्म-सीरीज में अपने अभिनय का परिचय दे चुकी हैं।

जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास

सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट जटाधारा से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतीक्षित पौराणिक स्पेक्टेकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नज़र आनेवाली हैं। हालांकि धन पिशाचिनी के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है।

विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि जटाधारा की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र-मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है। हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज़ हुआ सोनाक्षी का गाना धना पिशाची (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोज़िट सुधीर बाबू नज़र आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं।

मैं चिंकी और मिंकी के साथ कोई संपर्क नहीं रखना चाहती

कृष्णा श्रॉफ ने एक खास बातचीत में रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही बताया कि छोरिया चली गांव में उनका फेवरेट कंटेस्टेंट कौन था और किसके साथ वह रिश्ता नहीं रखना चाहतीं। जब उनसे पूछा कि क्या वह शो में किसी खास प्रतियोगी के संपर्क में नहीं रहना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, सच कहूं तो ज्यादातर लोग मेरे लिए मायने नहीं रखते, लेकिन अगर किसी का नाम लेना हो, तो मैं चिंकी और मिंकी का जिक्र करूंगी। यह उनकी पर्सनैलिटी का सवाल नहीं, बल्कि परिपक्वता की बात है। समझना जरूरी है कि कब और कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। शो की विनर अनीता हसनंदानी के बारे में बात करते हुए कृष्णा श्रॉफ ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, शो में अनीता से हारना मेरे लिए स्वीकार्य था। मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे हराया, क्योंकि वह मेरी सबसे मजबूत प्रतियोगी और शो की

रियलिटी शो छोरिया चली गांव को उसका विनर मिल चुका है। अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने इसकी पहली ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि शो की पहली रनर-अप कृष्णा श्रॉफ रहीं। उनका यह पहला रियलिटी शो था, जिसमें उनकी भागीदारी दर्शकों को काफी पसंद आई।

सबसे अनुभवी महिला थीं। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया और सिर्फ प्रतियोगिता पर फोकस रखा। मैं उनकी इस खासियत का पूरा सम्मान करती हूं। शो का फिनाले कृष्णा श्रॉफ और उनके परिवार के लिए बहुत ही खास रहा। इस दौरान कृष्णा की मां आयशा भी यहां मौजूद रहीं। रियलिटी शो का परिणाम सामने आने से पहले ही उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी ही उनके लिए विनर हैं। वहीं शो में भाग लेने से पहले अभिनेता और उनके पिता जैकी श्रॉफ ने कहा था कि इस शो में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाएगी और यहां से वह अनमोल अनुभव लेकर वापस लौटेंगी। कृष्णा श्रॉफ ने ही कहा था कि वह अपने पिता के प्रेरित करने के बाद ही इस शो का हिस्सा बनने को तैयार हुई थीं।

कांतारा चैप्टर 1 की सफलता पर भावुक हुए ऋषभ

साल 2022 में रिलीज हुई 'कांतारा' फिल्म की अगली कड़ी 'कांतारा चैप्टर 1' रिलीज हो चुकी है। ऋषभ शेट्टी निर्देशित 'कांतारा चैप्टर 1' ने पहले दिन ही 60 करोड़ रुपये की कमाई की है। दूसरे दिन भी यह शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म को मिले इतने प्यार के लिए ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों का, फैंस का शुक्रिया अदा किया है।

24 घंटे में बिके 1 मिलियन से अधिक टिकट 'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा गया, 'कांतारा चैप्टर 1' की धूम पूरे देश में गूंज रही है। 24 घंटों में 1.28 मिलियन से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने साल 2025 में पहले दिन बुकमॉयशोइन पर सबसे ज्यादा टिकट ब्रिकी दर्ज की है।

ऋषभ ने शुरुआती दौर के स्ट्रगल का जिक्र किया

ऋषभ शेट्टी ने अपनी फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की सफलता को लेकर जानकारी दी। इसके साथ ही अपना एक पुराना ट्वीट भी शेयर किया है। जिसमें वह अपने स्ट्रगल का जिक्र करते हैं।

ऋषभ शेट्टी ने पुराने ट्वीट में लिखा है, '2016 में एक ईवनिंग शो पाने के लिए संघर्ष करने से लेकर 2025 में 5000 से ज्यादा हाउसफुल शो तक का सफर। यह सफर आपके प्यार, सपोर्ट और भगवान की कृपा के अलावा और कुछ नहीं है। इसे संभव बनाने वाले हर एक व्यक्ति का हमेशा आभारी रहूंगा।'

फिल्म को ऑनलाइन शेयर ना करने की गुजारिश की

अभिनेता, निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने दर्शकों से गुजारिश की है कि फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' के वीडियो रिकॉर्ड करके ऑनलाइन शेयर ना करें। वह एक अन्य एक्स (ट्विटर) पोस्ट में लिखते हैं, 'फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच यादगार बना दिया है। हम आपसे गुजारिश करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर/रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें।'

मुंबई में शुरू होने जा रहा है बैटल ऑफ गलवान के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग चित्रांगदा भी करेंगी ज्वाइन

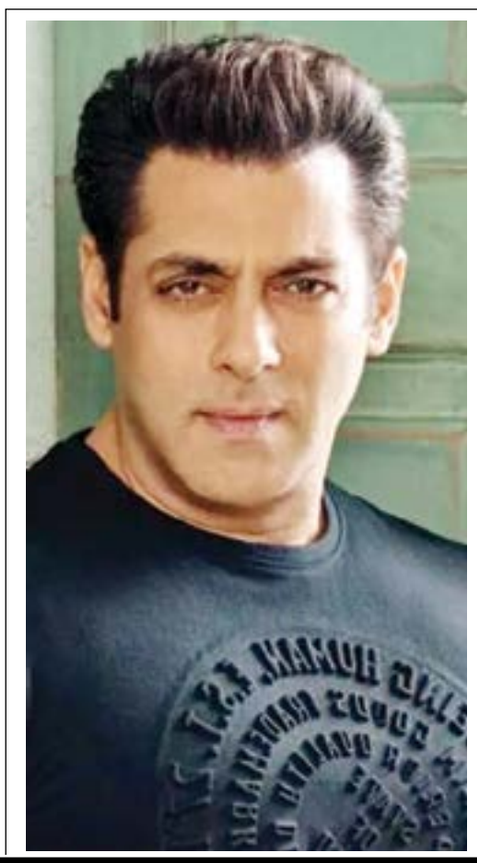

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी नई फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लद्दाख की वादियों में पूरी की गई थी और अब खबर है कि इसका दूसरा शेड्यूल मुंबई में शुरू होने जा रहा है।

अक्टूबर से शुरू होगा मुंबई शेड्यूल

रिपोर्ट के मुताबिक बैटल ऑफ गलवान का दूसरा और आखिरी शेड्यूल 10 अक्टूबर 2025 से मुंबई में शुरू होगा। फिल्म की टीम ने पहले ही मुंबई में लोकेशन्स का रेक्की कर लिया है, हालांकि शूटिंग की जगहों को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस शेड्यूल में सलमान खान के साथ-साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी हिस्सा लेंगी। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

बदला सलमान का लुक

लद्दाख में 45 दिन तक चले शूटिंग शेड्यूल के दौरान सलमान खान का लुक दमदार और रफ-टफ रखा गया था। वहीं, मुंबई लौटते ही उन्होंने अपनी दाढ़ी-मूंछ शेव कर क्लीन-शेव अवतार में एयरपोर्ट पर नजर आए। फैन्स को सलमान का यह नया अंदाज देखकर फिल्म के फर्स्ट लुक का इंतजार है।

पिछली फिल्म फ्लॉप, इस बार दांव बड़ा

सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल रही थी। यही कारण है कि अभिनेता इस बार कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। सूत्रों का कहना है कि सलमान इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद गंभीर हैं और हर सीक्वेंस पर बारीकी से काम कर रहे हैं ताकि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर सके।

क्यों खास है बैटल ऑफ गलवान?

यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध कथा नहीं बल्कि भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा को बड़े पर्दे पर पेश करने की कोशिश है। अपूर्व लाखिया अपने एक्शन और रियलिस्टिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और ऐसे में उम्मीद है कि बैटल ऑफ गलवान युद्ध पर आधारित फिल्मों में एक खास पहचान बना सकती है। फिल्म में सलमान खान एक आर्मी अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर हद तक जाता है। उनके साथ अभिनेता अंकुर भाटिया भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

फैंस को पहले लुक का इंतजार

मुंबई शेड्यूल शुरू होने की खबर के बाद सलमान के फैंस सोशल मीडिया पर लगातार फिल्म को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हर किसी को इंतजार है कि आखिरकार कब सलमान खान का मिलिट्री अवतार पर्दे पर सामने आएगा। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद मेकर्स 2026 की शुरुआत में इसका पहला टीजर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

श्री भंडारी ज्ञाति मंडल वलसाड की आयोजित हुई 78वीं वार्षिक सभा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 7 अक्टूबर। देश की आजादी के बाद से चली आ रही समाज की 78 साल पुरानी मातृ संस्था श्री भंडारी ज्ञाति मंडल वलसाड की 78वीं वार्षिक सभा पारडी स्थित साईं दर्शन हॉल में आयोजित हुई। जिसमें बारडोली-बुहारी से लेकर बोरडी मुंबई, दमण-सिलवासा के समाज के बड़ी संख्या में जाति के लोग उपस्थित रहे। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में वलसाड के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रफुल पटेल, अतिथि विशेष के रुप में दमण के एडवोकेट एवं नोटरी संजयभाई, संजाण के उद्योगपति केविन संजाणा, शीतल पटेल- काउंसिलर सिलवासा नगरपालिका उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत उपस्थित गणमान्य लोगों, समाज के अध्यक्ष चेतनभाई, ट्रस्टी नीलेशभाई, दिलीपभाई, गिरीशभाई द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। समाज के बच्चों ने प्रार्थना के साथ शुरुआत की। सभी वक्ताओं ने समाज को हर क्षेत्र में खूब प्रगति करने की कामना की। समाज के तेजस्वी विद्यार्थियों के साथ-साथ समाज में विशेष उपलब्धियाँ हासिल करने वालों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और नोटबुक वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन समाज के उपाध्यक्ष नेहलभाई, मंत्री भूपेंद्रभाई, कल्पनाबेन, कोषाध्यक्ष मुकेशभाई, विजेंद्रभाई, कमलेशभाई, निकिताबेन हेमंतभाई, अजीतभाई, अमूलभाई, विमलभाई, पंकजभाई जितेंद्रभाई ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी ने कडी मेहनत की।

नानापोंढा तालुका में सरपंच-तलाटी परिचय संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वलसाड 7 अक्टूबर। नवगठित नानापोंढा तालुका में प्रशासनिक पारदर्शिता और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए तालुका विकास अधिकारी आनंद पटेल के मार्गदर्शन में सरपंच-तलाटी परिचय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तालुका के सभी गाँवों के सरपंच, तलाटी और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। तालुका विकास अधिकारी आनंद पटेल ने कहा कि नए तालुका गठन से नानापोंढा क्षेत्र के ग्रामीण विकास को एक नई दिशा देगा। अब ग्रामीणों को प्रशासनिक सुविधाओं के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और सरकारी सेवाएँ उनके घर-द्वार पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने सरपंचों और तलाटी से सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुँचाने में और अधिक जिम्मेदारी बरतने का आह्वान किया। परिचय संवाद के दौरान विभिन्न गाँवों के प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र के विकास से संबंधित मुद्दे और सुझाव प्रस्तुत किए। तालुका प्रशासन ने आश्वासन दिया कि पानी, सड़क, स्वच्छता, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे जैसी प्राथमिक सुविधाओं के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इस संवाद कार्यक्रम के माध्यम से सरपंचों, तलाटियों और प्रशासनिक व्यवस्था के बीच सहयोग और समन्वय का एक मज़बूत ढाँचा स्थापित हुआ है, जो आने वाले दिनों में नानापोंढा तालुका के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

मच्छीमारी के दौरान समुद्र में लापता खलासी का मिला शव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 7 अक्टूबर। दीव के घोघला गांव की बोट में सवार होकर मच्छीमारी करने गये खलासी का शव बरामद हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, घोघला के लालजी देवा सोलंकी की जय लाखवाई नामक बोट संख्या आईएनडी डीडी-02-एमएम 1546 बीते 4 अक्टूबर को समुद्र में मच्छीमारी करने गई थी। इसी दौरान ऊना तालुका के नांदण गांव निवासी मछुआरा भीखा वाजा अचानक समुद्र में लापता हो गया, जिसका 3 दिन बाद शव पाया गया। मृत खलासी को घोघला जेटी लाया गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दीव पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसके परिजनों को सौंप दिया।

दाभेल पुलिस ने तीन दिन के भीतर मोबाइल छीनने के मामले का किया पर्दाफाश: तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी का फोन बरामद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 7 अक्टूबर। दाभेल पलिस ने मोबाइल छीनने के मामले का 3 दिन के भीतर पर्दाफाश करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही चोरी का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। दमण पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि 03/10/2025 को लगभग 23:15 बजे दाभेल क्रिकेट ग्राउंड के पास शिकायतकर्ता राजकुमार ठाकुर निवासी कमरा संख्या 133, गुलाबभाई की चाल, दाभेल क्रिकेट ग्राउंड के सामने अपने मोबाइल फ़ोन पर बात कर रहा था। तभी पीछे से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर दो अज्ञात व्यक्ति आए और उनके हाथ से मोबाइल फ़ोन छीन लिया। शिकायतकर्ता ने आरोपियों को पकड़ने के लिए उनका पीछा किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। उन्होंने बताया कि चोरी हुआ मोबाइल फोन रियलमी सी-73 था, जिसे उन्होंने दाभेल से 12,000 में खरीदा था। शिकायत के आधार पर दाभेल पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 40/2025, धारा 304, 3(5) बीएनएस, 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया। जाँच के दौरान दमण एसपी केतन बंसल की देखरेख और दमण एसडीपीओ तनु शर्मा के निर्देशन में एक टीम गठित की गई। इस टीम में दाभेल पुलिस स्टेशन एसएचओ नीलेश काटेकर, हेड कांस्टेबल नटवर कोली (जांच अधिकारी), पुलिस कांस्टेबल रवि गुप्ता, मितल वैश्य, अनिल ओजारिया और नीरज दमणिया, दाभेल पुलिस स्टेशन शामिल थे। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर 06/10/2025 को दो संदिग्ध व्यक्तियों को दाभेल क्षेत्र से पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपनी पहचान अमितकुमार रामशंकर चौधरी और अनुजकुमार दिनेश राम के रूप में बताई। दोनों आरोपियों ने अपराध करना कबूल कर लिया। तदनुसार उन्हें 06/10/2025 को गिरफ्तार किया गया और अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त कर ली गई। उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस हिरासत के दौरान, आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने चोरी का मोबाइल फोन रोहितकुमार पिंटू प्रसाद नामक व्यक्ति को बेचने के लिए दिया था। तदनुसार, रोहितकुमार का पता लगाकर 07/10/2025 को गिरफ्तार कर लिया गया और चोरी का मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया।

मुख्यमंत्री ने दिया राज्य कर्मचारियों-पेंशनरों को दिवाली का तोहफा : सरकार ने बढ़ाया महंगाई भत्ता

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के व्यापक हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय करते हुए छठे और सातवें वेतन आयोग का लाभ प्राप्त कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों को 1 जुलाई, 2025 से केंद्र की तर्ज पर महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का लाभ देने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री के इस कर्मयोगी हितैषी निर्णय के अंतर्गत सातवें वेतन आयोग का लाभ प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का इजाफा किया गया है। वहीं, छठे वेतन आयोग का लाभ प्राप्त कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इस महंगाई भत्ते की 3 महीने की अर्थात 1 जुलाई, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक की बकाया राशि यानी एरियर का भुगतान एक किस्त में किया जाएगा। महंगाई भत्ते में इस बढ़ोतरी का लाभ राज्य सरकार और पंचायत सेवा के कर्मचारियों के अलावा अन्य कर्मचारियों सहित कुल 4.69 लाख कर्मयोगियों और लगभग 4.82 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों यानी पेंशनरों को मिलेगा। इतना ही नहीं, राज्य सरकार इस एरियर के तहत कर्मचारियों को कुल 483.24 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। वहीं, वेतन, भत्ते और पेंशन के लिए वार्षिक अतिरिक्त 1932.92 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। मुख्यमंत्री ने इस कर्मचारी हितैषी निर्णय के कार्यान्वयन के लिए वित्त विभाग को आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश भी दिए हैं।

स्वच्छ भारत, स्वस्थ रेल-अहमदाबाद मण्डल ने मनाया स्वच्छता पखवाड़ा 2025

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मण्डल 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2025 मना रहा है। इस दौरान स्टेशनों, कार्यालयों और ट्रेनों में स्वच्छता, सफाई और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पखवाड़ा के दौरान अहमदाबाद मण्डल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्मों, सर्कुलेटिंग क्षेत्रों और यात्री सुविधाओं की सघन सफाई की गई। कूड़ेदानों की उपलब्धता एवं उनके रखरखाव का सत्यापन किया गया, वहीं नालियों, शौचालयों, पहुँच मार्गों, पैदल ऊपरी पुलों और प्रतीक्षालयों की गहन सफाई की गई। प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए गए तथा सूखे एवं गीले कचरे हेतु अलग-अलग डस्टबिन की व्यवस्था की गई। हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सौर ऊर्जा उपकरणों के संचालन और रखरखाव की जाँच की गई। इसी प्रकार, स्वच्छता और दुर्गंध नियंत्रण के लिए स्टेशनों पर नालियों और शौचालयों की सफाई सुनिश्चित की गई। ट्रेन वाशिंग लाइनों पर विशेष सफाई अभियान चलाए गए, जिनमें शौचालयों, ट्रेनों का निरीक्षण किया गया, जिसमें पर्याप्त ओबीएचएस स्टाफ, लिनेन की गुणवत्ता और पेंट्री कार की स्वच्छता की जाँच की गई। यात्रियों को बायो-टॉयलेट, फ्लशिंग सिस्टम और कचरा न फैलाने जैसी आदतों के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान भी आयोजित किए गए। स्टेशनों के ब्लॉक सेक्शन और आस-पास के क्षेत्रों में पटरियों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया। पटरियों के किनारे बने नाले भी सफाई अभियान में शामिल किए गए। साथ ही, कचरे और अवांछित झाड़ियों को हटाया गया। इन निरंतर प्रयासों से मण्डल ने स्वच्छ भारत मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है और अपने नेटवर्क में यात्रियों एवं समुदायों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

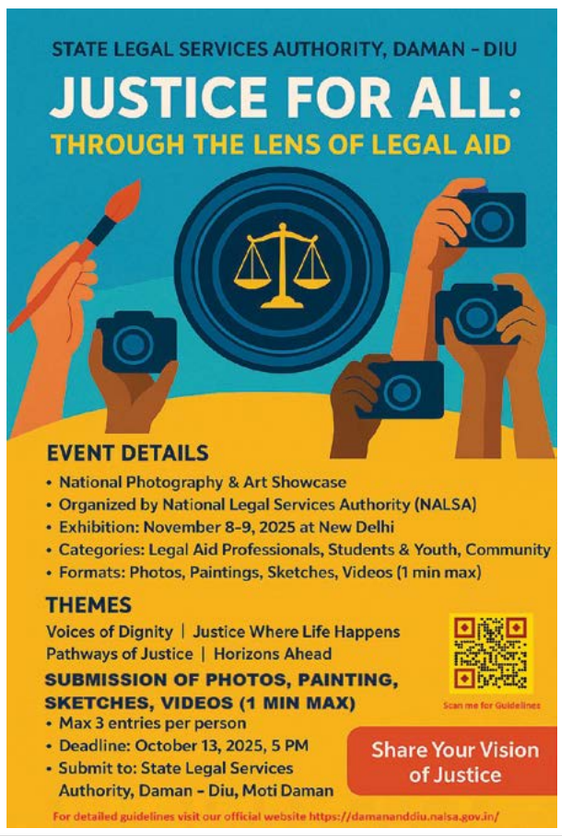

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)